• जयपुर, मंगलवार 11 अगस्त 26 • वर्ष 15 • अंक 283 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIN/2011/40950
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''
● **स्वामी विवेकानंद**

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000
अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित

टूरिज्म इन ट्राइब्सः ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को विस्तार

चमकता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान वर्षों से अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विविधताओं के कारण दुनियाभर के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इसी विरासत को और विस्तार देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय अंचल को भी वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाने की दिशा में प्रभावी कदम उठा रही है। इसके तहत स्थानीय पर्यटन स्थलों के विकास के साथ ही प्राकृतिक संपदा, हस्तशिल्प और लोक परंपराओं का संरक्षण एवं संवर्धन किया जा रहा है।

राज्य सरकार का उद्देश्य केवल पर्यटन को बढ़ावा देना ही नहीं, बल्कि स्थानीय रोजगार के जरिए जनजातीय समाज की आजीविका को बढ़ाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा प्रदान करना है। इसी क्रम में ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट और महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट विकसित करने के साथ ही जनजातीय क्षेत्रों में 306 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न पर्यटन परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दिला रहे आदिवासी अंचल को नई पहचान

ट्राइबल टूरिस्ट और महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट बनेंगे माइलस्टोन्स

- **वैश्विक पर्यटन के मानचित्र पर नए आयाम बनाएगी जनजातीय संस्कृति**
- **रोजगार-स्वरोजगार बढ़ने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लगेंगे पंख**

पर्यटन के साथ होगा सामाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में ''टूरिज्म इन ट्राइब्स'' अब केवल पर्यटन का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण और सांस्कृतिक गौरव का सशक्त माध्यम बन रहा है। राज्य सरकार के विशेष प्रयासों से जनजातीय क्षेत्रों में पर्यटकों के ठहराव की अवधि बढ़ने के साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार और स्वयं सहायता समूहों को स्वरोजगार के व्यापक अवसर मिल सकेंगे। आने वाले समय में ये क्षेत्र ना केवल देश-विदेश के पर्यटकों के लिए प्रमुख आकर्षण बनेंगे, बल्कि जनजातीय समाज की समृद्धि और राजस्थान की आर्थिक प्रगति के सशक्त केंद्र के रूप में भी स्थापित होंगे।

- **आदिवासी आस्था-कला को संरक्षण, उत्पादों का ब्रांड 'बनफूल'**

आदिवासियों की सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित, संरक्षित और संवर्धित करने के लिए 'सौंध माटी आदि धरोहर प्रलेखन योजना' भी चलाई जा रही है। इसके तहत जनजाति वाद्य यंत्र, पाककला, चित्रकारी, भित्ति चित्र, काष्ठ और प्रस्तर कला, नृत्व एवं गायन का प्रलेखन (डॉक्यूमेंटेशन) कार्य प्रक्रियाधीन है। वहीं, 'बनफूल' जनजाति डिजाइन स्टूडियो और 'बनफूल' ब्रांडिंग जैसी पहल के जरिए जनजाति कलाकारों को सूचीबद्ध करने के साथ ही उनके उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध करवाया जा रहा है।

इसी प्रकार जनजाति आस्था केंद्र जैसे बारां के सीताबाड़ी, झाड़ोल के कमलनाथ महादेव एवं रामकुण्डा महादेव मंदिर, उदयपुर के जावर माता मंदिर, सलूम्बर के सोनार माता मंदिर और बांसवाड़ा के सलाकेश्वर महादेव मंदिर भी योजना में शामिल हैं। वहीं, ऐतिहासिक महत्व के स्थानों पर भी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान और जल-जंगल से जुड़ाव पर भी डॉक्यूमेंट्री तैयार करवाई जाएंगी।

100 करोड़ का ट्राइबल टूरिज्म सर्किट

ट्राइबल टूरिज्म सर्किट के तहत 'आदिवासियों का कुंभ' कहे जाने वाले डूंगरपुर के बेणेश्वर धाम पर 49 करोड़ 40 लाख रुपये और बांसवाड़ा के मानगढ़ धाम पर 13 करोड़ 41 लाख रुपये व्यय किए जाएंगे। साथ ही, इसमें चित्तौड़गढ़ के मातृकुंडिया (मेवाड़ का प्रयाग), प्रतापगढ़ के सीतामाता अभयारण्य, गौतमेश्वर महादेव मंदिर, बांसवाड़ा के त्रिपुरा सुंदरी मंदिर और उदयपुर के ऋषभदेव मंदिर को भी शामिल किया गया है।

महाराणा प्रताप टूरिज्म सर्किट में एकीकृत होगा इतिहास

ऐतिहासिक विरासत को एकीकृत करने के लिए महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट के विकास पर 206 करोड़ रुपये से अधिक व्यय किया जाना प्रस्तावित है। जिसमें चावण्ड, हल्दीघाटी, गोगुन्दा, कुम्भलगढ़, दिवेर और उदयपुर को शामिल किया जाएगा। इसके अलावा डूंगरपुर में शिल्पग्राम और चित्तौड़गढ़ में हेरिटेज वॉक-वे निर्माण के साथ ही गोगुन्दा में बाईजी की बावड़ी, उदयपुर में करणी माता मंदिर तथा नीमच माता मंदिर जैसे धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण एवं विकास कार्य भी प्रगति पर हैं। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी विशेष कार्ययोजना के साथ आदिवासी अंचल में काम किया जा रहा है।

न्यूज अपडेट

उत्तराखंड और उत्तरकाशी में लगे भूकंप के तेज झटके, सहमे लोग अपने घरों से निकले बाहर

उत्तरकाशी/एजेंसी। उत्तराखंड में भूकंप के झटकों से लोगों में दहशत फैल गई। उत्तरकाशी जिले में 4.2 तीव्रता के भूकंप ने लोगों को घरों से बाहर निकलने पर मजबूर कर दिया। वहीं, टिहरी गढ़वाल के कुछ इलाकों में भी 2.0 तीव्रता का हल्का भूकंप दर्ज किया गया। दोनों जिलों में फिलहाल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है।

उत्तरकाशी में भूकंप का झटका रात करीब 1:21 बजे महसूस किया गया। यमुना और गंगा घाटी समेत जिले के कई क्षेत्रों में धरती हिलने से लोग घबरा गए और आनन-फानन में घरों से बाहर निकल आए। कई लोगों ने अपने परिजनों और आसपास रहने वाले लोगों को फोन कर भूकंप की जानकारी ली।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक उत्तरकाशी में आए भूकंप की तीव्रता 4.2 रही और इसका केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर नीचे था। भूकंप का केंद्र उत्तरकाशी जिले में बड़कोट तहसील मुख्यालय के समीप राजगढ़ी क्षेत्र के आसपास बताया गया है।

- **टिहरी में भी महसूस हुए झटके**

टिहरी गढ़वाल के कीर्तिनगर और घनसाली क्षेत्र में भी सोमवार तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार इसकी तीव्रता 2.0 रही और इसकी गहराई करीब 5 किलोमीटर थी। हालांकि यह झटका हल्का था और इससे किसी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं मिली। भूकंप के बाद दोनों जिलों में प्रशासन ने स्थिति पर नजर बनाए रखी। फिलहाल कहीं से भी भवन क्षति या किसी व्यक्ति के हताहत होने की खबर सामने नहीं आई है।

झारखंड विधानसभा कूच के दौरान छात्रों पर पानी की बौछार

रांची/एजेंसी।

पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी हिरासत में

झारखंड में झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की परीक्षाओं में अनियमितताओं के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्र रांची में विधानसभा मार्च कर रहे हैं। इस दौरान, पुराने विधानसभा भवन से नए विधानसभा भवन जाते समय प्रदर्शनकारी छात्रों ने पुलिस बैरिकेड तोड़ दिए, जिससे पुलिस को छात्रों पर पानी की बौछार करनी पड़ी। इस बीच, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी समेत कई भाजपा नेताओं को मुख्यमंत्री आवास के बाहर से हिरासत में लिया गया है। छात्रों के मार्च को देखते हुए पुलिस ने प्रदर्शन स्थल पर दंगा रोधी उपकरणों से लैस सुरक्षाकर्मी तैनात किए हैं। उन्होंने छात्रों से शांति मार्च की अपील की है। विधानसभा घेराव मार्च में भाग ले रहे एक छात्र ने कहा कि प्रदर्शनकारी छात्र शांति बनाए रखते हुए विधानसभा की ओर एकजुट होकर आगे बढ़ेंगे। इस बीच, भूख हड़ताल पर बैठे देवेंद्र नाथ महतो भी मार्च में शामिल होने के लिए एम्बुलेंस से झारखंड विधानसभा रवाना हुए हैं। प्रदर्शन के बीच एंबुलेंस से पहुंचे महतो को प्रदर्शनकारी छात्रों ने स्ट्रेचर पर ही कंधे पर उठा लिया। महतो ने कहा, भूख हड़ताल पर होने के बावजूद मैं यहां आया हूं। वे हमें रोक नहीं पाएंगे। मैं एम्बुलेंस से यहां पहुंचा और अब स्ट्रेचर पर आगे बढ़ रहा हूं। मैं पिछले 9 दिनों से भूख हड़ताल पर हूं और सरकार को हमारी मांगें माननी ही होंगी। उन्होंने कहा कि उनकी सहनशीलता की परीक्षा सरकार न ले। झारखंड की मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि सरकार प्रदर्शनकारियों को शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन करने की अनुमति देगी और आश्वासन दिया कि उनके खिलाफ पैलेट गन, आंसू गैस या लाठीचार्ज का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा घेराव के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन आवश्यक कदम उठा रहा है। सिंह ने कहा कि पिछले 4 दिनों की चर्चा में सरकार ने अपनी शक्ति के दायरे में आने वाली लगभग सभी मांग मान ली है।

संसद परिसर में विपक्षी सांसदों ने किया विरोध प्रदर्शन, अमित शाह से सदन में जवाब देने की मांग

नई दिल्ली/एजेंसी।

संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष और सरकार के बीच गतिरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। विपक्षी सांसदों ने दिल्ली में 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपों को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से संसद में बयान देने की मांग की है। कांग्रेस का कहना है कि जब तक गृह मंत्री इन मुद्दों पर सदन में स्पष्टीकरण नहीं देते, तब तक विपक्ष कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा आगे नहीं बढ़ने देगा। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उन्हें लगता है कि गतिरोध तब तक बना रहेगा, जब तक केंद्रीय गृह मंत्री संसद में बयान नहीं देते।

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने भी विपक्ष की मांग को स्पष्ट करते हुए कहा कि किसी भी विधेयक, जिसमें एफसीआरए बिल भी शामिल है, पर चर्चा से पहले अमित शाह को संसद में आकर दिल्ली के छात्रों के खिलाफ हुई कार्रवाई पर बयान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह विपक्ष की स्पष्ट मांग है और बयान के बिना सरकार को इन मामलों पर आगे नहीं बढ़ने दिया जाएगा।

एफसीआरए बिल को लेकर भी विपक्ष ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि पार्टी इस विधेयक को एक बड़े समुदाय के खिलाफ उठाए गए कदम के रूप में देखती है। उन्होंने दावा किया कि प्रस्तावित बदलाव समुदाय और देश के हितों के खिलाफ हैं तथा इससे शिक्षा और राष्ट्रीय प्रगति में योगदान देने वाले महत्वपूर्ण संसाधनों पर असर पड़ सकता है।

कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने विश्व आदिवासी दिवस के संदर्भ में भी गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि आदिवासी समुदाय को 'वनवासी' कहकर उसकी पहचान, संघर्ष, ऐतिहासिक विरासत और विशिष्टता को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। भगत ने कहा कि वे इस मुद्दे पर सांकेतिक विरोध दर्ज करा रहे हैं और अमित शाह के सदन में आने पर आदिवासी पहचान से जुड़े सवाल को उठाएंगे।

पुदुचेरी पुलिस को राष्ट्रपति कलर्स प्रदान

सक्रिय हुआ मानसून, कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली/एजेंसी।

देश के कई हिस्सों में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। हिमालयी क्षेत्र, पूर्वी मैदानी इलाकों, मध्य भारत और दक्षिणी तटीय क्षेत्रों में बारिश की गतिविधियां तेज हो गई हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अगले कुछ दिनों के दौरान कई राज्यों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश होने का अनुमान जताया है। कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ बारिश, आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की भी चेतावनी दी गई है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अगस्त महीने की सामान्य बारिश का आंकड़ा महीने के शुरुआती आठ दिनों में ही पार हो गया है। मौसम विभाग ने सोमवार को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में अच्छी बारिश की संभावना जताई है। वहीं दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब में अगले पांच दिनों तक कई स्थानों पर भारी बारिश होने का अनुमान है। पूर्वी राजस्थान में 11 और 12 अगस्त को भारी बारिश हो सकती है।

उत्तराखंड के देहरादून, बागेश्वर, नैनीताल और चंपावत जिलों में नारंगी चेतावनी जारी की गई है। इन जिलों में तेज बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है। मौसम विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। मध्य भारत में भी बारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना है। पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ में भारी बारिश का अनुमान है। पूरे मध्य प्रदेश में इस सप्ताह व्यापक बारिश होने की संभावना जताई गई है।

लगातार बारिश के कारण मध्य प्रदेश के मंडला और डिंडोरी समेत कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। नदियां और नाले उफान पर हैं तथा कई घाट पानी में डूब गए हैं। जलभराव के कारण कई स्थानों पर सड़क संपर्क प्रभावित हुआ है। डिंडोरी-जबलपुर-अमरकंटक मार्ग पर भी लोगों को यातायात जाम का सामना करना पड़ रहा है।

पूर्वी भारत में बिहार, झारखंड, ओडिशा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में इस सप्ताह कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश हो सकती है। गंगीय पश्चिम बंगाल और झारखंड में भी अगले कुछ दिनों के दौरान तेज बारिश की संभावना है।

अमरनाथ यात्रा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

जम्मू-कश्मीर में अगले दो दिनों में भारी बारिश का पूर्वानुमान

श्रीनगर/एजेंसी।

उत्तर और दक्षिण कश्मीर के बालटाल एवं पहलगाम मार्गों पर ट्रैक क्षतिग्रस्त होने तथा खराब मौसम को लेकर जारी चेतावनी के कारण अमरनाथ यात्रा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि दोनों बेस कैंप से जाने वाले दो रास्तों को ठीक करने में काफी समय लगेगा। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए श्री अमरनाथ जी यात्रा-2026 को रोक दिया गया है और बेस कैंप तथा जम्मू में भगवती नगर यात्री निवास में मौजूद सभी तीर्थयात्रियों से घर लौटने को कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष की अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण भी बंद कर दिया गया है और अब श्रद्धालुओं को कश्मीर घाटी की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, छड़ी मुबारक (भगवान शिव की पवित्र गदा) पारंपरिक पहलगाम मार्ग से यात्रा करते हुए 28 अगस्त को पवित्र गुफा तक पहुंचेगी। इसी दिन अमरनाथ यात्रा का औपचारिक समापन होगा।

राजगढ़ में बड़ा हादसाः पुल से फिसलकर नाले में गिरी कार, सात की मौत

- **मृतकों में दो बच्चे शामिल, तीन लोगों ने तैरकर बचाई जान; एक लापता की तलाश जारी**

राजगढ़/एजेंसी। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में सोमवार को तेज बारिश के बीच बड़ा हादसा हो गया। पड़ाना के पास झिरी नाले के तेज बहाव में एक ईको कार बहकर नाले में गिर गई। कार में देवास जिले के सतवास क्षेत्र के 11 लोग सवार थे। हादसे में अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि एक व्यक्ति अभी भी लापता बताया जा रहा है। तीन लोग तैरकर सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब रहे। लापता व्यक्ति की तलाश में राहत एवं बचाव दल लगातार अभियान चला रहा है। जानकारी के अनुसार, कार में सवार सभी लोग देवास जिले के सतवास क्षेत्र के रहने वाले थे और सतवास से कड़लावद गांव जा रहे थे। इसी दौरान पड़ाना के पास झिरी नाले पर बने पुल को पार करते समय हादसा हुआ। बताया गया कि झिरी नाले पर करीब 30 फुट लंबे पुल का निर्माण कार्य चल रहा था। लगातार बारिश के कारण नाले में पानी का बहाव काफी तेज था। इसके बावजूद चालक ने वाहन को तेज बहाव के बीच से निकालने का प्रयास किया। इसी दौरान पानी का दबाव बढ़ने से कार अनियंत्रित होकर नाले में जा गिरी और बहाव में बह गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और बचाव दल ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया।

संपादकीय

क्या देश में हवाई सफर की सुरक्षा हादसों के बाद ही याद आती है?

हाल के वर्षों में हवाई सफर की सुविधा को विस्तार देने के लिए उड़ानों की संख्या में बढ़ोतरी की गई है। मगर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर तकनीकी और सतर्कता के स्तर पर माकूल प्रबंधों का अभाव साफ नजर आता है। देश में हवाई यात्रा की सुविधा का दायरा बढ़ाने के लिए विमान सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। लोगों की पहुंच को आसान बनाने के लिए नए अंतरराष्ट्रीय और घरेलू हवाई अड्डों के निर्माण में प्रगति हुई है। इसके साथ ही विमान किराये में भी आए दिन बेलगाम तरीके से बढ़ोतरी होती रहती है। मगर इसी तर्ज पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीरता कहीं नजर नहीं आती है। कभी तकनीकी खराबी, सतर्कता की कमी, तो कभी मौसम की अप्रत्याशित चुनौतियां विमान हादसों का कारण बनती हैं।ऐसी ही एक घटना बीते मंगलवार को हुई, जब थाईलैंड के फुकेत से दिल्ली आ रहा एअर इंडिया का एक विमान वायुमंडलीय अस्थिरता यानी टर्बुलेंस के कारण हवा में अपनी निर्धारित ऊंचाई से अचानक लगभग तीन सौ फुट नीचे आ गया, जिससे सत्रह यात्री घायल हो गए। हालांकि, बाद में इस विमान को दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतार लिया गया। सवाल है कि देश भर में होने वाले विमान हादसों से सबक क्यों नहीं लिया जाता है? इस तरह की दुर्घटनाओं को रोकने और विमान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है?यह सच है कि हाल के वर्षों में हवाई सफर की सुविधा को विस्तार देने के लिए उड़ानों की संख्या में बढ़ोतरी की गई है। मगर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर तकनीकी और सतर्कता के स्तर पर माकूल प्रबंधों का अभाव साफ नजर आता है। पायलटों और अन्य प्रशिक्षित कर्मियों की जरूरत के मुताबिक तैनाती नहीं हो पाने से संचालन तंत्र पर दबाव बढ़ रहा है और इससे मानवीय चूक की संभावनाएं भी अक्सर बनी रहती हैं। अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन के अनुसार, करीब पैंसठ फीसद विमान दुर्घटनाओं के पीछे मानवीय चूक एक प्रमुख कारण होती है। एअर इंडिया का जो विमान वायुमंडलीय अस्थिरता के कारण असंतुलित हुआ, उसमें 137 यात्री और चालक दल के आठ सदस्य सवार थे। अगर पायलट के समझने में थोड़ी सी भी चूक होती, तो बड़ा हादसा हो सकता था। इससे पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। फिर क्या वजह है कि ऐसी स्थिति से निपटने के लिए तकनीकी रूप से मानक संचालन प्रक्रिया में सुधार नहीं हो पाया है?सवाल यह भी है कि इस घटना के दौरान खराब मौसम की स्थिति में संभावित वायुमंडलीय अस्थिरता के बारे में चालक दल की ओर से यात्रियों को पहले से सचेत करने की सामान्य मानक संचालन प्रक्रिया का पालन किया गया था या नहीं? अगर यात्रियों को समय रहते सतर्क कर दिया जाए, तो विमान में मौजूद सुरक्षात्मक उपायों के इस्तेमाल से उनके हताहत होने की संभावना कम होती है।

उन्नत बचपन की पहली शर्त- स्वस्थ भोजन, स्वस्थ भविष्य

(ललित गर्ग)

महाराष्ट्र सरकार का निर्णय इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने यह स्वीकार किया है कि बच्चों का स्वास्थ्य किसी भी राजनीतिक या आर्थिक हित से बड़ा है। अब आवश्यकता इस बात की है कि देश के सभी राज्य इस दिशा में समान साहस और दूरदर्शिता दिखाएं। विकसित भारत की आधारशिला स्मार्ट शहर नहीं, बल्कि स्वस्थ बच्चे हैं। विकसित भारत का स्वप्न केवल आधुनिक इमारतों, तेज अर्थव्यवस्था, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक और विश्वस्तरीय आधारभूत संरचनाओं से पूरा नहीं होगा। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके बच्चे होते हैं। यदि बचपन स्वस्थ, संस्कारित, ऊर्जावान और मानसिक रूप से सुदृढ़ है, तो राष्ट्र का भविष्य स्वतः सुरक्षित हो जाता है। यदि बचपन ही अस्वस्थ, मोटापे, मधुमेह, कुपोषण और गलत खान-पान की आदतों से घिर जाए, तो विकास की पूरी अवधारणा खोखली सिद्ध होने लगती है। इसलिए बच्चों का स्वास्थ्य केवल स्वास्थ्य मंत्रालय का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य के सभी स्कूलों और उनके आसपास जंक फूड की बिक्री, वितरण तथा प्रचार पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय इसी व्यापक दृष्टि का परिचायक है। यह केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के प्रति उत्तरदायित्व का गंभीर संदेश है। यह स्वीकार करने का साहसिक प्रयास है कि बच्चों की सेहत बाजार के मुनाफे से कहीं अधिक मूल्यवान है। यदि यह निर्णय प्रभावी ढंग से लागू होता है तो यह पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकता है। आज सबसे बड़ी चिंता यह नहीं है कि बच्चे भोजन कम खा रहे हैं, बल्कि यह है कि वे पोषण कम और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ अधिक खा रहे हैं। रंग-बिरंगे पैकेट, आकर्षक विज्ञापन, कार्टून पात्रों की ब्रांडिंग, सोशल मीडिया का प्रभाव और हर गली-मोहल्ले में उपलब्ध फास्ट फूड ने बच्चों की स्वादेंद्रियों पर ऐसा कब्जा कर लिया है कि घर का पौष्टिक भोजन उन्हें फीका लगने लगा है। यह परिवर्तन केवल खान-पान की आदत का बदलाव नहीं है, बल्कि धीरे-धीरे उनके शरीर, मस्तिष्क और व्यवहार को भी प्रभावित कर रहा है। वैज्ञानिक शोध लगातार यह बताते रहे हैं कि अधिक वसा, अधिक नमक और अधिक चीनी वाले खाद्य पदार्थ बच्चों में मोटापा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, हार्मोन असंतुलन तथा मानसिक एकाग्रता में कमी जैसी अनेक समस्याओं का कारण बन रहे हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जो बीमारियां पहले चालीस-पचास वर्ष की आयु में दिखाई देती थीं, वे अब किशोरावस्था और बचपन में ही दस्तक देने लगी हैं। यह केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि आने वाले समय में देश की उत्पादक क्षमता और मानव संसाधन पर भी गहरा प्रभाव डालने वाला संकट है। बचपन की सबसे बड़ी आवश्यकता स्वाद नहीं, पोषण है। शरीर के विकास के साथ-साथ मस्तिष्क का तीव्र विकास भी बचपन में ही होता है। यदि इस अवस्था में बच्चों को संतुलित भोजन, ताजे फल, हरी सब्जियां, दूध, दालें, मोटे अनाज और प्राकृतिक खाद्य पदार्थ पर्याप्त मात्रा में मिलें, तो उनका शारीरिक और मानसिक विकास कहीं अधिक प्रभावी होता है। इसके विपरीत जंक फूड क्षणिक स्वाद तो देता है, लेकिन शरीर को आवश्यक पोषक तत्व नहीं देता। परिणामस्वरूप बच्चा बाहर से स्वस्थ दिखाई देता है, किंतु भीतर से अनेक पोषण संबंधी कमियों का शिकार बनने लगता है। दुर्भाग्य यह है कि जंक फूड आज केवल भोजन नहीं रहा, बल्कि एक आक्रामक व्यावसायिक संस्कृति बन चुका है। विज्ञापनों के माध्यम से बच्चों के मन में यह धारणा बैठा दी गई है कि आधुनिकता का अर्थ पैकेटबंद भोजन है। लोकप्रिय खिलाड़ी, फिल्मी कलाकार और डिजिटल प्रभावक अनजाने में बच्चों को

ऐसे उत्पादों की ओर आकर्षित करते हैं, जिनका अत्यधिक सेवन उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। ऐसे में केवल परिवारों को दोष देना उचित नहीं होगा। सरकार, उद्योग, विद्यालय, अभिभावक और समाज-सभी को अपनी-अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि जीवनशैली का निर्माण करने वाली प्रयोगशाला भी हैं। यदि स्कूल परिसर में बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए, पोषण शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए, विद्यालयों में रसोई बाग विकसित किए जाएं, बच्चों को स्वयं पौधे लगाने और प्राकृतिक भोजन के महत्व से जोड़ा जाए, तो यह परिवर्तन अधिक स्थायी होगा। केवल प्रतिबंध लगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। स्वस्थ विकल्पों को स्वादिष्ट, आकर्षक और सुलभ बनाना भी उतना ही आवश्यक है। भारत की पारंपरिक भोजन संस्कृति विश्व की सबसे संतुलित और वैज्ञानिक भोजन प्रणालियों में मानी जाती है। बाजरा, ज्वार, रागी, दालें, छाछ, दही, अंकुरित अनाज, मौसमी फल, सब्जियां और घर का ताजा भोजन हमारे पूर्वजों की स्वस्थ जीवनशैली की पहचान रहे हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम आधुनिकता के नाम पर अपनी इस समृद्ध खाद्य संस्कृति को त्यागने के बजाय उसे नए स्वरूप में बच्चों तक पहुंचाएं। यदि विद्यालयों की कैंटीन में स्थानीय और पारंपरिक पौष्टिक व्यंजन उपलब्ध कराए जाएं, तो बच्चे धीरे-धीरे उसी स्वाद के अभ्यस्त हो सकते हैं। यह भी समझना होगा कि जंक फूड का प्रश्न केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अस्वस्थ बचपन का अर्थ है भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ता खर्च, कार्यक्षमता में कमी, उत्पादकता का ह्रास और राष्ट्रीय आय पर प्रतिकूल प्रभाव। आज यदि बच्चों के पोषण पर निवेश किया जाता है तो वह आने वाले दशकों में स्वस्थ, सक्षम और नवाचारी नागरिकों के रूप में अनेक गुना लाभ देता है। इसलिए बच्चों के स्वास्थ्य पर खर्च को व्यय नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सबसे लाभकारी निवेश माना जाना चाहिए। अभिभावकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि घर में ही पैकेटबंद स्नैक्स, शीतल पेय और अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ नियमित रूप से उपलब्ध होंगे, तो बच्चे उनसे दूर नहीं रह पाएंगे। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि परिवार स्वयं संतुलित भोजन करेगा, साथ बैठकर भोजन करने की परंपरा विकसित करेगा और बच्चों को रसोई से जोड़कर भोजन बनाने की प्रक्रिया में सहभागी बनाएगा, तो उनमें स्वस्थ भोजन के प्रति स्वाभाविक रुचि विकसित होगी। सरकारों को भी केवल स्कूलों तक सीमित न रहकर व्यापक नीति अपनानी होगी। बच्चों को लक्षित करने वाले भ्रामक खाद्य विज्ञापनों पर नियंत्रण, पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर स्पष्ट चेतावनी, अत्यधिक चीनी और नमक वाले उत्पादों की पहचान को सरल बनाना, खेल मैदानों की संख्या बढ़ाना, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण जागरूकता अभियान तथा स्थानीय स्तर पर सामुदायिक भागीदारी जैसे कदम समान रूप से आवश्यक हैं। यदि स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग मिलकर साझा रणनीति बनाएं तो परिणाम कहीं अधिक प्रभावी होंगे। आज समय की मांग है कि जंक फूड के विरुद्ध संघर्ष को केवल प्रतिबंध तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे स्वस्थ जीवनशैली के राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप दिया जाए। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाया, उसी प्रकार स्वस्थ भोजन और पोषण को भी राष्ट्रीय जन-जागरण का विषय बनाया जाना चाहिए। बच्चों को यह समझाना होगा कि वास्तविक ऊर्जा किसी पैकेट में नहीं, बल्कि प्रकृति के निकट रहने वाले भोजन में छिपी है। महाराष्ट्र सरकार का निर्णय इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने यह स्वीकार किया है कि बच्चों का स्वास्थ्य किसी भी राजनीतिक या आर्थिक हित से बड़ा है। अब आवश्यकता इस बात की है कि देश के सभी राज्य इस दिशा में समान साहस और दूरदर्शिता दिखाएं। विकसित भारत की आधारशिला स्मार्ट शहर नहीं, बल्कि स्वस्थ बच्चे हैं। यदि बचपन सुरक्षित रहेगा तो भविष्य सुरक्षित रहेगा। यदि बच्चों की थाली पौष्टिक होगी तो राष्ट्र की प्रगति भी संतुलित होगी। आने वाले भारत की पहचान केवल तकनीकी शक्ति से नहीं, बल्कि स्वस्थ, सशक्त, अनुशासित और जागरूक नई पीढ़ी से होगी। इसलिए आज का सबसे बड़ा राष्ट्रीय संकल्प यही होना चाहिए कि हर बच्चे को ऐसा वातावरण मिले, जहाँ स्वाद से पहले स्वास्थ्य, सुविधा से पहले पोषण और तात्कालिक आकर्षण से पहले दीर्घकालिक जीवन-सुरक्षा को महत्व दिया जाए। यही उन्नत बचपन का मार्ग है और यही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है)।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

तेज रफ्तार जिंदगी में क्यों सबसे बड़ी ताकत बन गया है सब्र? हर दिन देता है इसका जवाब

(महिमा सामंत)

हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सब्र की असली परीक्षा छोटे-छोटे पलों में होती है। सबसे आम उदाहरण है यातायात जाम। घर से निकलते ही यातायात जाम, दिन भर इंतजार और हर कदम पर अधीरता। आज की जिंदगी जैसे सब्र की लगातार परीक्षा बन गई है। तेज रफ्तार के इस दौर में हम हर चीज तुरंत चाहते हैं। तुरंत जवाब, तुरंत सफलता, तुरंत समाधान। ऐसे समय में 'सब्र' शब्द भले पुराना लगे, पर सच यही है कि आज इसकी जरूरत पहले से कहीं अधिक है।

दरअसल, सब्र का अर्थ केवल इंतजार करना नहीं है। यह उस इंतजार के दौरान अपने मन को संतुलित रखना है। यह वह समझ है, जो हमें जल्दबाजी में गलत निर्णय लेने से रोकती है। जहां अधीरता क्षणिक राहत देती है, वहीं सब्र स्थायी सुकून देता है। यह हमें सिखाता है कि हर चीज का एक समय होता है और उस समय से पहले घबराना केवल हमारी ऊर्जा को नष्ट करता है।

हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सब्र की असली परीक्षा छोटे-छोटे पलों में होती है। सबसे आम उदाहरण है यातायात जाम। जब हम किसी जरूरी काम के लिए निकलते हैं और रास्ते में लंबा जाम मिल जाता है, तो मन बेचैन हो उठता है। हम बार-बार घड़ी देखते हैं, हॉर्न की आवाजें हमें और चिड़चिड़ा बना देती हैं। मगर सच यही है कि उस जाम को हम तुरंत खत्म नहीं कर सकते। ऐसे में जो व्यक्ति खुद को शांत रखता है, कोई साक्षात्कार सुन लेता है या बस गहरी सांस लेकर खुद को संभालता है, वही मानसिक रूप से संतुलित रह पाता है।

इसी तरह लंबी कतार में खड़े रहना, चाहे वह बैंक हो, अस्पताल हो या किसी दुकान की लाइन। कुछ लोग अधीर होकर आगे बढ़ने की कोशिश करते हैं, बार-बार शिकायत करते हैं। वहीं कुछ लोग चुपचाप अपनी बारी का इंतजार करते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि दूसरे व्यक्ति ने स्थिति को स्वीकार कर लिया है। यही स्वीकार करना ही सब्र की शुरुआत है।

एक और साधारण लेकिन गहरा उदाहरण है 'ट्रैफिक सिग्नल' पर रुकना। लाल बत्ती होते ही कुछ लोग बेचैन हो जाते हैं। वे गाड़ी को थोड़ा-थोड़ा आगे बढ़ाते हैं, जैसे कुछ पल पहले निकल जाना बहुत बड़ा अंतर पैदा कर देगा। वहीं कुछ लोग उस रुकने को सहजता से स्वीकार करते हैं। सच यह है कि वह लाल बत्ती केवल सड़क का नियम नहीं, जीवन का संकेत भी है कि हर समय आगे बढ़ना ही जरूरी नहीं। कभी-कभी रुकना भी उतना ही आवश्यक होता है। जो व्यक्ति इस छोटे ठहराव को समझ लेता है, वह जीवन के बड़े ठहरावों को भी सहजता से पार कर लेता है।

आज के डिजिटल युग में भी सब्र की परीक्षा कम नहीं है। जब इंटरनेट धीमा हो जाता है या कोई फाइल डाउनलोड होने में समय लेती है, तो हम बार-बार स्क्रीन देखते हैं। छोटी-सी देरी भी हमें असहज कर देती है। मगर हम उसी समय को किसी और उपयोगी काम में लगा दें, जैसे कुछ पढ़ना या अपनी योजना बनाना, तो वही प्रतीक्षा सार्थक बन सकती है।

एक और आम स्थिति है - किसी के जवाब का इंतजार। हमने संदेश भेजा, फोन किया, लेकिन सामने से जवाब नहीं आया। मन तुरंत कई तरह के अनुमान लगाने लगता है। यही वह क्षण है, जहां सब्र की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। अगर हम खुद को रोक लें और यह समझें कि हर व्यक्ति अपनी परिस्थितियों में व्यस्त हो सकता है, तो हम अनावश्यक तनाव से बच सकते हैं।

घर-परिवार में भी सब्र का महत्त्व बहुत बड़ा है। जब कोई बुजुर्ग किसी बात को बार-बार पूछते हैं या धीरे-धीरे काम करते हैं, तो हम अक्सर अधीर हो जाते हैं। अगर हम थोड़ा ठहरकर सोचें, तो समझ आएगा कि उन्हें हमारी जल्दी नहीं, हमारे साथ की जरूरत है। ऐसे समय में दिखाया गया सब्र रिश्तों को गहराई देता है।

बच्चों के साथ व्यवहार भी सब्र का सबसे सच्चा आईना है। एक बच्चा जब नया कुछ सीखता है, तो वह बार-बार गलती करता है। अगर हम हर गलती पर गुस्सा करें, तो उसका आत्मविश्वास टूट जाएगा, लेकिन अगर हम सब्र के साथ उसे समझाएं, तो वही बच्चा धीरे-धीरे बेहतर बनता है।

वैवाहिक जीवन में भी सब्र की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण होती है। दो अलग-अलग स्वभाव, आदतें और सोच जब एक साथ आती हैं, तो मतभेद स्वाभाविक हैं। हर छोटी बात पर तुरंत प्रतिक्रिया देना या अपनी बात मनवाने की जिद करना रिश्तों को कमजोर करता है। वहीं, अगर दोनों पक्ष थोड़ा ठहरकर एक-दूसरे को समझने का प्रयास करें, तो वही मतभेद समझ में बदल सकते हैं। कई बार चुप रहना हार नहीं, बल्कि रिश्ते को बचाने की समझदारी होती है। विवाह में सब्र केवल सहने का नाम नहीं, बल्कि साथ निभाने की कला है।

पढ़ाई और करिअर के संदर्भ में देखें, तो आज हर कोई जल्दी परिणाम चाहता है।

शिक्षा सुधार के दावे बहुत, बुनियादी बदलाव अब भी अधूरा-ऐसे नहीं बनेगा ज्ञान महाशक्ति भारत

प्रवेश परीक्षाओं को दुरुस्त करने के लिए सरकार को भागीरथ प्रयास करने होंगे। पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने इंस्टाग्राम पर संबोधन कर आक्रोशित विद्यार्थियों को शांत करने और उन्हें समझाने का प्रयास किया कि सरकार अपनी तरफ से क्या कर रही है। इसमें उन्होंने प्रश्नपत्र लीक करने वाले अपराधियों को दंड देने की व्यवस्था की बात भी की। बीती 27 जुलाई को जब संसद का सत्र दोबारा शुरू हुआ, तो परीक्षा संशोधन विधेयक पेश किया गया। इससे प्रश्नपत्र लीक करने वाले गिरोहों पर नकेल कसी जा सकेगी।

(सुरेश सेठ)

यह सच है कि ज्ञान के आकाश का कोई अंत नहीं, लेकिन भारत अगर सचमुच उस ऊंचाई को छूना चाहता है, तो उसे शिक्षा व्यवस्था में बुनियादी परिवर्तन करने होंगे। भारत शिक्षा के मामले में सदियों से अग्रणी रहा। हमारी पुरानी शिक्षा व्यवस्था दुनिया को राह दिखाती थी। बड़ी संख्या में विद्यार्थी यहां पढ़ने के लिए आते थे। यहां गुरुकुल से कई ऐसे विद्यार्थी निकले, जिन्होंने दुनिया को राह दिखाई। मगर समय बदलने के साथ भारतीय शिक्षा प्रणाली में अनेक बदलाव हुए। भारत, जो कभी ज्ञान और नवजागरण के क्षेत्र में अग्रणी था, वह पिछड़ता चला गया।

हम पश्चिमी शिक्षा की नकल करने लगे। हमारी शिक्षा व्यवस्था ने शोध और अन्वेषण को कम कर दिया। कला संकाय का महत्त्व कम होता चला गया। शिक्षा पर बाजार हावी होने लगा। नए रास्ते पर चलने की हमारी ललक खत्म हो गई। दुनिया डिजिटल होती गई और इंटरनेट उसकी आधारभूमि बन गया। आज भारत कृत्रिम मेधा का इस्तेमाल कर दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल होना चाहता है।

यह सच है कि ज्ञान के आकाश का कोई अंत नहीं, लेकिन भारत अगर सचमुच उस ऊंचाई को छूना चाहता है, तो उसे शिक्षा व्यवस्था में बुनियादी परिवर्तन करने होंगे।

पिछले डेढ़ दशक में डिजिटल तकनीक को अपनाने और इस दिशा में आगे बढ़ने के कई दावे किए गए हैं। भारत कृत्रिम मेधा का अगुआ बनने की कोशिश भी कर रहा है, लेकिन एक कमी रह गई। यह कमी है संकल्प की। हम बेहतरीन शिक्षक तैयार नहीं कर पा रहे हैं। विद्वता बढ़ाने पर भी कोई जोर नहीं दिखता। इच्छा और आकांक्षा जरूर थी, लेकिन अध्यापकों की प्रतिबद्धता में बदलाव नहीं आया। विद्यार्थी उपलब्धियां हासिल करने को ही लक्ष्य मान बैठे। नतीजा यह कि मेहनत और अन्वेषण कर आगे जाने का उत्साह कम पड़ता चला गया। यही कारण है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था धीरे-धीरे पिछड़ती चली गई।

बच्चों को पढ़ाने में शिक्षक भी इसलिए पिछड़े, क्योंकि उन्होंने खुद को अद्यतन नहीं किया। नतीजा यह कि हमारे विद्यार्थी समय के साथ आगे नहीं बढ़े। डिजिटल में सहज होने के क्रम में हम कागज-कलम से दूर हो गए। इसी के साथ हम अपनी पुस्तक संस्कृति भी भूल गए। मोबाइल फोन पर ही कक्षाएं लगने लगीं। बच्चे भी वहीं पढ़ने लगे। किताबें कोने में धरी रह गईं। डिग्रियां पाने और सार्वजनिक प्रतियोगिताओं में सफलता प्राप्त करने की होड़ शुरू हो गई। इसके परिणामस्वरूप शिक्षा का असली उद्देश्य पीछे रह गया।

प्रवेश परीक्षाओं में गड़बड़ी कोई नई बात नहीं है। यह काफी समय से हो रही है। मगर जब बड़े पैमाने पर आयोजित होने वाली परीक्षाओं के प्रश्नपत्र बाहर आने लगे, तब इस समस्या को गंभीरता से लिया गया और यह मुद्दा बनने लगा। प्रश्नपत्र लीक को कुछ गिरोहों ने अपना धंधा बना लिया और वे लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से खेलने लगे। वर्ष 2024 और 2026 में बड़े पैमाने पर प्रश्नपत्र लीक हुए। निराशा में डूबे कुछ विद्यार्थियों ने खुदकुशी की। इन प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच विद्यार्थियों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले दिनों आंदोलन किया। युवा पीढ़ी का असंतोष आक्रोश में बदल गया। नतीजा, शिक्षा मंत्री को त्यागपत्र देना पड़ा। हालांकि, इससे शिक्षा व्यवस्था में कोई बदलाव होगा, इसकी कोई गारंटी नहीं।

प्रवेश परीक्षाओं को दुरुस्त करने के लिए सरकार को भागीरथ प्रयास करने होंगे। पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने इंस्टाग्राम पर संबोधन कर आक्रोशित विद्यार्थियों को शांत करने और उन्हें समझाने का प्रयास किया कि सरकार अपनी तरफ से क्या कर रही है। इसमें उन्होंने प्रश्नपत्र लीक करने वाले अपराधियों को दंड देने की व्यवस्था की बात भी की। बीती 27 जुलाई को जब संसद का सत्र दोबारा शुरू हुआ, तो परीक्षा संशोधन विधेयक पेश किया गया। इससे प्रश्नपत्र लीक करने वाले गिरोहों पर नकेल कसी जा सकेगी। सरकार इस विधेयक को काफी महत्त्व दे रही है, मगर इसमें गंभीर चिंतन नहीं दिखता है। इस पर संसद में व्यापक बहस भी नहीं हो पाई। कड़े दंड के प्रावधानों वाला यह विधेयक बहुमत के बल पर पारित तो हो गया, लेकिन परीक्षा व्यवस्था और शिक्षा में सुधार के लिए यह काफी नहीं है।

पिछला अनुभव बताता है कि दोषियों को सजा देने के कानून तो पहले भी थे। चाहे उनमें सजा इतनी सख्त नहीं थी, लेकिन फिर भी पिछले पच्चीस वर्षों में देश भर के अलग-अलग हिस्सों से जो प्रश्नपत्र लीक हुए और माफिया ने जो कारगुजारी की, उस हिसाब से बड़े पैमाने पर धर-पकड़ नहीं हुई।

फिलहाल सरकार ने एक बड़ी पहल की है। उसने त्वरित अदालतें बनाई हैं। तीन महीने में फैसला देकर अपराधियों को कड़ी सजा देने की घोषणा भी की गई है, लेकिन पिछले दिनों एक मामले में वकील के हाजिर न होने से अगली तारीख दे दी गई। दंड प्रक्रिया को चुस्त कर प्रवेश परीक्षाओं को शुचितापूर्ण तो बनाया जा सकता है, लेकिन सवाल है कि यह पूरी तरह दोषरहित कैसे होगी? हालांकि, सरकार इसको लेकर गंभीर दिख रही है। उसने छह सदस्यीय उच्चस्तरीय कार्यबल बना दिया है, जो राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के काम की समीक्षा करेगा और प्रश्नपत्र लीक रोकने के लिए अपनी सिफारिशें देगा। इससे परीक्षा प्रणाली में सुधार की उम्मीद है।

देश की शिक्षा प्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन करने की जरूरत है। नीति-निर्माताओं को यह बात ध्यान में रखनी होगी कि शिक्षा के क्षेत्र में दुनिया आज कितने आगे बढ़ चुकी है और हम अभी नारे ही गढ़ रहे हैं। हम नारे लगाते हैं डिजिटल भारत के। हम बताते हैं कि भारत में मोबाइल क्रांति हो गई है और जल्द ही कृत्रिम मेधा को भी साध लिया जाएगा। इस दिशा में प्रगति निस्संदेह प्रशंसनीय है, मगर सवाल यह है कि क्या हम युवा पीढ़ी को नए रोजगार के काबिल बना रहे हैं? आज भी न तो अध्यापक और न ही छात्र नई राहों के अन्वेषी हैं। वे कोई नया शोध करना नहीं चाहते। वे बस डिग्रियां चाहते हैं। आज भी पाठ्यक्रमों में बड़ा बदलाव नहीं होता। बरसों तक उन्हें वहीं पढ़ाया जाता है।

भारत की साठ फीसद आबादी गांवों में बसती है। मगर वहां पुस्तकों की पर्याप्त उपलब्धता नहीं है, मोबाइल नेटवर्क या तो है ही नहीं या फिर बहुत कमजोर है और यहां चर्चा होती है कि नीट सहित सारी प्रतियोगी परीक्षाएं कंप्यूटर से ली जानी चाहिए। सुधार कैसे होगा, जबकि स्कूलों में पढ़ाई का तरीका वही पुराना है? सरकार कहती है कि ज्यादातर बच्चे स्कूल जाने लगे हैं, लेकिन सच यह है कि दसवीं तक पहुंचने के बाद उनमें से कई बच्चे स्कूल से निकल जाते हैं।

उच्च स्तर पर शिक्षा में बदलाव का आधार स्कूली शिक्षा होनी चाहिए। बदलाव करना है, तो प्राथमिक स्तर से हो। शिक्षा को रोजगारपरक बनाया जाए, लेकिन यह सब रोजगार की गारंटी के बिना संभव नहीं होगा। जो विद्यार्थी पढ़ने के लिए आता है, वह आश्वस्त हो कि उसकी मेहनत और डिग्री के मुताबिक उसे रोजगार अवश्य मिलेगा। इससे छात्रों का शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण अपने आप बदल जाएगा। अध्यापकों पर भी बड़ी जिम्मेदारी है। नए माहौल के मुताबिक जब तक वे स्वयं को अद्यतन नहीं करेंगे, तब तक बात नहीं बनेगी। (यह लेखक के अपने विचार है)

जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने किया हिसाब मांगो रैली का आयोजन

चमकता राजस्थान

जयपुर। सोमवार को जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने जयपुर नगर निगम में भ्रष्टाचार, बढ़ते कर, ऊपर से कचरा कर और पालतू पशुओं पर कर के नाम पर लूट और बदले में मिली टूटी सड़कें, चहुँ ओर फैला अतिक्रमण, कॉलोनियों में फैला कचरा और सड़ते ड्रेनेज, बंद स्ट्रीट लाइट के खिलाफ '' हिसाब मांगो रैली '' का आयोजन किया गया। रैली नेहरू प्लेस, टोंक रोड से रवाना होकर जयपुर नगर निगम पहुँची। रैली में जिस उत्साह और संख्या में लोगों ने भाग लिया, उसने जयपुर के राजनीतिक तिहास में प्रदर्शन के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए।

जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के दस हजार से अधिक लोगों के इस विशाल प्रदर्शन में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि यह जनता का विशाल हुजूम यह स्पष्ट कर रहा है कि जयपुर की जनता बीजेपी के कुशासन से आजिज आ गई है, बीजेपी अब जयपुर में हार रही है, अब बीजेपी की ये काठ की हांडी आपकी बार नहीं चढ़ने वाली।

हिसाब मांगो' रैली को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि जयपुर करवट बदल रहा है। जयपुर की नई कांग्रेस जिस जोश से उठ खड़ी हुई है, समझ लीजिए बीजेपी के नगर निगम में और राज्य में अब गिने-चुने दिन रह गए हैं। जयपुर नगर निगम आकंठ भ्रष्टाचार में लिप्त है, हर तरफ चोरी और लूटपाट का आलम है।

विशाल ऐतिहासिक प्रदर्शन में जयपुर शहर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि जयपुर में जहाँ एक ओर ढेर सारे टैक्स लगाकर जनता की जेब पर डाका डाला जा रहा है और फिर बदले में उपमुख्यमंत्री के आवासीय दरवाजे त्रिपोलिया गेट को सजाने के अलावा सरकार कर क्या रही है? अगर ये अतिक्रमण, टूटी सड़कें, गंदगी और सड़ता सीवरेज यूँ ही रहा, तो वो दिन दूर नहीं जब जयपुर को मिला यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट का तमगा भी जयपुर से छीन जाएगा।

विधायक अमीन कागज़ी ने रैली को संबोधित करते हुए कहा है कि यहाँ भी जिस ढंग से पुलिस दमन कर रही है, वो इस बात को इंडीकेट करता है—जब-जब मोदी डरता है, पुलिस को आगे करता है। मगर यह विशाल जनसमूह क्या कह रहा है कि भाजपा के दिन अब गिने-चुने रह गए हैं।

कार्यक्रम को पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, विधायक रोहित बोहरा, विधायक रफीक खान पूर्व अध्यक्ष आरआर तिवारी, डॉ. अर्चना शर्मा, पुष्पेन्द्र भारद्वाज, विक्रम सिंह शेखावत ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम में मंजू शर्मा, गोपाल नवरिया, पंडित महेश, विमल यादव, सुशील पारीक सहित हजारों लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

बाड़ी में तिरंगा रैली से गूंजा शहर, सैकड़ों बच्चों ने देशभक्ति के नारों के साथ दिया राष्ट्रप्रेम और एकता का संदेश

चमकता राजस्थान/ब्यूरो चीफ धौलपुर : रामदास तरुण/बाड़ी। हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत सोमवार को बाड़ी शहर में भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी के निर्देशानुसार उपखंड अधिकारी अमित कुमार वर्मा के नेतृत्व में हायर सेकंडरी स्कूल किला बाड़ी से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली में सैकड़ों स्कूली बच्चों ने हाथों में तिरंगा लेकर पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। बच्चों के देशभक्ति नारों से पूरा शहर गुंजायमान हो उठा।रैली के दौरान नायब तहसीलदार उत्तम चंद्र बंसल ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए हाथ में तिरंगा लेकर बच्चों एवं आमजन का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति का संदेश दिया। तिरंगा रैली हायर सेकंडरी स्कूल किला बाड़ी से प्रारंभ होकर किला गेट, कोट पाड़ा, महाराज बाग, भारद्वाज मार्केट एवं पुराना बाजार होते हुए पुनः हायर सेकंडरी स्कूल पहुंची, जहां रैली का समापन हुआ। रैली के दौरान हाथों में लहराते तिरंगे और गूंजते देशभक्ति नारों ने पूरे शहर में राष्ट्रप्रेम का माहौल बना दिया। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी अमित कुमार वर्मा, नायब तहसीलदार उत्तम चंद्र बंसल, अधिशाषी अधिकारी दीपक गोयल, बाड़ी ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रामप्रसाद राघव, अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दिलीप चाहर, हायर सेकंडरी स्कूल के प्रिंसीपल हरिओम सिकरवार, नगर पालिका बाड़ी के वरिष्ठ प्रारूपकार सुधीर कुमार त्यागी, तपेश बिधूड़ी, यादवेन्द्र सिंह तोमर, सफाई प्रभारी अंकित कुमार, सीडीपीओ कार्यालय से पूजा मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं सैकड़ों स्कूली बच्चे मौजूद रहे। रैली के माध्यम से आमजन को हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने तथा अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का संदेश दिया गया। आयोजन के दौरान शहर में राष्ट्रप्रेम, एकता और देशभक्ति की भावना देखने को मिली।

कटर चलाने के लिए बिछाई गई सड़क पर बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट, बडा हादसा टला

चमकता राजस्थान/राकेश अग्रवाल/सवाई। माधोपुर जिला मुख्यालय कलेक्ट्रेट रोड स्थित इंदिरा मैदान के सामने गौरव पथ पर चल रहे डिवाइडर निर्माण कार्य के काम में ली जा रही बिजली में शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक आग लग गई।घनीमत यह रही कि उस दौरान की कोई राहगीर वहां से नहीं गुजर रहा था । जिसके चलते बड़ा हादसा होने से टल गया । वही दूसरी ओर बरसात का मौसम है। बारिश हो रही है। तो दूसरी ओर बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट होने के कारण ठेकेदार द्वारा बिछाई गई बिजली की लाइन जो की पत्थर कटिंग के लिए चलाए जा रहे कटर चलाने के लिए बिछाई गई थी। वैसे में सावधानी रखना अति आवश्यक है। ऐसे गैर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ जिला प्रशासन हरकत में आकर कार्रवाई करे तो होने वाले हादसों से बचा जा सकता है। आज भी बड़ा हादसा होने से बाल बाल बचा।

लक्ष्मणगढ़ में शोभायात्रा-जुलूस के दौरान बिजली कटेगी

- **नियम तोड़ने पर अधिकारी खुद होंगे जिम्मेदार, डिस्कॉम का सख्त आदेश**

चमकता राजस्थान/लक्ष्मणगढ़(नरेन्द्र तिलकपुर)। शोभायात्रा, रथयात्रा और जुलूस के दौरान विद्युत हादसों को रोकने के लिए जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, लक्ष्मणगढ़ खंड ने बड़ा फैसला लिया है। अब क्षेत्र में किसी भी धार्मिक या सामाजिक जुलूस से पहले संबंधित इलाके की बिजली सप्लाई बंद कर दी जाएगी।

खंड कार्यालय के अधिशाषी अभियंता (पवस) ने जिला कलक्टर अलवर के आदेश क्रमांक 961 दिनांक 18.06.2026 के आधार पर यह आदेश जारी किया है। आदेश की प्रति जिला कलक्टर, उपखंड अधिकारी लक्ष्मणगढ़ और अधीक्षण अभियंता को भी भेजी गई है।

क्या हैं नए निर्देश बिजली बंद रहेगी: जुलूस शुरू होने से पहले रूट पर आने वाली फीडर की सप्लाई काटी जाएगी। मौके पर निगरानी: जुलूस के दौरान संबंधित कनिष्ठ अभियंता, फीडर इंचार्ज और लठ्ठट टीम को मौके पर मौजूद रहकर निगरानी करनी होगी। इसमें चिमरावली, झालाटाला सहित सभी क्षेत्र शामिल हैं।

सोजत के कवि नवनीत राय 'रुचिर' को मिला राष्ट्रीय मुंशी प्रेमचंद साहित्य रत्न सम्मान - 2026

चमकता राजस्थान/हितेष भाटी/सोजत। साहित्य जगत के लिए गौरव एवं हर्ष का विषय है कि सोजत निवासी कवि नवनीत राय 'रुचिर' को जयपुर में आयोजित गरिमामय समारोह में 'पांचवां राष्ट्रीय मुंशी प्रेमचंद साहित्य रत्न सम्मान-2026' से सम्मानित किया गया। उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान उनकी साहित्यिक काव्य रचना 'सनातन धर्म' के लिए प्रदान किया गया ।अखिल भारतीय कायस्थ महासभा राजस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित सम्मान समारोह जयपुर के सिवाम ऑडिटोरियम, कृषि विज्ञान केंद्र, दुर्गापुरा में संपन्न हुआ। अभाकाम संस्था के अध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी अजीत सक्सेना के मुख्य आतिथ्य एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. अरुण कुमार सक्सेना की अध्यक्षता में आयोजित भव्य समारोह में आयोजक टीम ने साहित्यकार रुचिर को सम्मानित किया। चयन समिति ने कविता के क्षेत्र में उनकी रचना 'सनातन धर्म' को तृतीय श्रेष्ठ साहित्यिक अभिव्यक्ति के रूप में चयनित करते हुए इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चुना।

एसीबी की 'सजग ग्राम योजना' के तहत सोईन्तरा में जनसंवाद

चमकता राजस्थान

शेरगढ़। रिपोर्टर रावल सिंह शेरगढ़। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो चौकी जोधपुर ग्रामीण की ओर से 'सजग ग्राम योजना/जन जागरूकता एवं जनसंवाद' अभियान के तहत सोमवार को शेरगढ़ क्षेत्र की ग्राम पंचायत सोईन्तरा में कैम्प आयोजित किया गया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जोधपुर देहात पारस सोनी ने ग्रामीणों से संवाद कर भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त करने के लिए आमजन का जागरूक और सजग रहना जरूरी है। सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक बिना किसी भ्रष्टाचार के पहुंचना चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों से अपील

की कि यदि कोई सरकारी कार्य के बदले रिश्वत की मांग करता है तो इसकी सूचना तुरंत एसीबी को दें। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में आमजन की सहभागिता बेहद महत्वपूर्ण है।

ग्राम पंचायत के प्रशासक गोविंद सिंह सोईन्तरा ने पारंपरिक साफा पहनाकर पारस सोनी का स्वागत किया। कार्यक्रम में ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ बिना भ्रष्टाचार के प्राप्त करने तथा रिश्वत की मांग होने पर एसीबी को शिकायत करने की जानकारी दी गई। एसीबी हेल्पलाइन 1064 के बारे में भी बताया गया।

इस दौरान पारस सोनी ने सर्व समाज श्मशान भूमि का निरीक्षण कर पौधारोपण किया और लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का संदेश दिया।

प्रशासक गोविंद सिंह सोईन्तरा ने बताया कि सजग ग्राम योजना के तहत आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को भ्रष्टाचार के प्रति जागरूक करना तथा सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी परेशानी एवं भ्रष्टाचार के दिलाना है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण किसी भी प्रकार की रिश्वत की मांग होने पर निडर होकर एसीबी को सूचना दें और भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था बनाने में सहयोग करें।इस दौरान कनिष्ठ सहायक पिंकी जोशी, प्रधानाचार्य खुशमनी कवात्रा,भवानी सिंह, बाबुसिंह, मदनसिंह,ममता शर्मा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भंवरी सुथार,संगीता चौधरी शोभा कंवर,लीला देवी,पानी देवी, पिंकी ,आशा देवी आदि मौजूद थे।

रानी पुलिस थाना में सी एल जी एवं शांति समिति की बैठक

चमकता राजस्थान/भरत कुमार गांधी रानी। उपखंड अधिकारी शिवा जोशी ने रानी पुलिस थाना में सी एल जी एवं शांति समिति की बैठक में वर्तमान में सोशियल मीडिया में भ्रामक , अशोभनीय भाषा का प्रयोग कर लोगों , अधिकारियों एवं प्रबुद्ध नागरिकों की छवि खराब करने वालों के विरुद्ध आई टी एक्ट के तहत कठोर कार्यवाही करने के निर्देश पुलिस अधिकारी आनंद सांखला को दिए । उन्होंने मोबाइल पर अभद्र भाषा का प्रयोग करने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी हालत में शांति भंग नहीं होने दी जाएगी । उन्होंने पालिका चुनाव से संबंध में आमजन से अपील करते हुए कहा कि चुनाव के समय कोई भी जानबूझ कर गलत कार्य करने वाले के विरुद्ध कार्यवाही जाएगी । उन्होंने सख्त लहजे में चेतावनी दी कि किसी भी राष्ट्र प्रतीक, राष्ट्रीय पर्व, आदि का अपमान सहन नहीं किया जाएगा । गलत तत्वों के विरुद्ध कार्यवाही करने के लिए थानाधिकारी को निर्देश दिए । उन्होंने आने वाले पर्व ईद मिलादुन नबी, राखी त्यौहारों को सद्भावना एवं शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की । तहसीलदार आंबालाल बोसिया ने उपस्थित सदस्यों से स्वतंत्रता दिवस व आने वाले त्यौहारों पर सांप्रदायिक सौहार्द के साथ मनाने की अपील की । सदस्यों द्वारा रानी प्रताप बाजार में सी सी कैमरे चालू करवाने की मांग की , जिस पर कैमरों को वाई फाई से जोड़ने पर चर्चा हुई। रामदेवरा जाने वाले लोगों एवं पशुओं के रिफ्लेक्टर लगवाने पर चर्च की गई। नाडोल में कमरे बंद होने पर थानाधिकारी सांखला ने उन्हें चालू करवाने का आश्वासन दिया । इस अवसर पर उपखंड अधिकारी शिवा जोशी,तहसीलदार आंबा लाल बोसिया, सी आई आनन्द कुमार सांखला , ए एस आई मांगीलाल,भाजपा मंडल अध्यक्ष हरीश गहलोत रानी,बिजोवा मंडल अध्यक्ष उत्तमचंद राजपुरोहित , कुशलराज मेहता, जिला कांग्रेस एस सी अध्यक्ष सुनील बैरवा, प्रेमचंद बुनकर , बी एल भाटी , बशीरुद्दीन चढ़वाह ,हितेश गुप्ता , नगराज वैष्णव, गौतम ऋषि तट्रस्ट सदस्य प्रतापराम मीणा , बाबूलाल भाट, केवल चौधरी, कैलाश प्रजापत नाडोल, विकास घारू, विकास माली,मनोहरसिंह नाडोल, मोहन सोलंकी बिजोवा, एड मनीष बंजारा, मुकेश भंडारी सहित नागरिकगण उपस्थित थे ।

जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक सम्पन्न

चमकता राजस्थान/बारां। जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक सोमवार को जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें अतिरिक्त जिला कलक्टर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सहायक निदेशक जनसम्पर्क, विशिष्ट लोक अभियोजन व अन्य पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी शुभम नागर ने बताया कि बैठक में जिला कलक्टर के निर्देशों पर एफआइआर व चालान स्तर पर लंबित कुल 55 प्रकरणों की 10 अगस्त 2026 को ही स्वीकृति जारी की गई और लाभ दिया गया। जिला कलक्टर के द्वारा पुलिस विभाग को निर्देश भी दिए गए कि वे आगामी सप्ताह के भीतर ही स्पेशल ड्राईव चलाकर छबड़ा थाने में लंबित कुल 16 प्रकरणों, छिपाबड़ौद थाने पर लंबित कुल 22 प्रकरणों, कवाई थाने में लंबित कुल 33 प्रकरणों, नाहरगढ़ थाने में लंबित कुल 19 प्रकरणों व कोतवाली थाना में लंबित कुल 16 प्रकरणों सहित कुल थाने स्तर पर लंबित 168 प्रकरणों का निस्तारण करें। साथ ही जिला कलक्टर के द्वारा भविष्य में उक्त योजना के तहत 72 घण्टों में ही लाभ दिए जाने के निर्देश देकर बैठक को सधन्यवाद समाप्त किया।

IIFL फाउंडेशन द्वारा हर घर तिरंगा अभियान की रैली का शुभारंभ

चमकता राजस्थान/जालोर, ब्यूरो चीफ कयूम खान/ फोटो साबिर सागर जाल। आईआईएफएल फाउंडेशन द्वारा स्वतंत्रता दिवस की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सखियों की बाड़ी केंद्रों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में हर घर तिरँगा अभियान रैली का शुभारंभ जिला कलेक्टर कार्यालय श्री मान कलेक्टर महोदय डॉ. प्रदीप के. गावंडे व जिला शिक्षा अधिकारी महोदय भंवरलाल परमार के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया गया जो ग्रामीण क्षेत्रो में सखियों की बाड़ी केंद्रों के माध्यम से हर घर तिरँगा रैली निकाली जाएगी जिसमें आईआईएफएल फाउंडेशन के निदेशक मधु जैन का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में रैली के माध्यम से आमजन को राष्ट्रध्वज के सम्मान व राष्ट्रभक्ति के प्रति जागरूक किया जाएगा व उनके साथ साथ हमारी मुख्य थीम है कि ₹अशिक्षा से आजादी दिलाएँगे - हर घर तिरँगा लहराएंगे₹ व फाउंडेशन के जालोर प्रभारी गोविन्द कुमार अपनी टीम को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराने ओर ₹हर घर तिरंगा₹ अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए कहा गया व अपने केंद्रों पर स्वतंत्रता दिवस को उत्साह एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाने का आह्वान किया गया जिसमें सभी दक्षाएँ उपस्थित रही

प्रभारी मंत्री देवासी 11 अगस्त को जिले के दौरे पर

- **हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा प्रदर्शनी का करेंगे शुभारंभ**

चमकता राजस्थान/बारां। राज्यमंत्री, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग एवं जिला प्रभारी मंत्री ओटाराम देवासी 11 अगस्त को अपने प्रभार जिले बारां के प्रवास पर रहेंगे। जिला प्रभारी दोपहर 2.30 बजे बारां पहुंचेंगे। प्रवास के दौरान वे राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान 2026 के अंतर्गत आयोजित विभिन्न जिला स्तरीय कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। इसी क्रम में प्रभारी मंत्री जिला स्तर पर आयोजित 'हर घर तिरंगा कार्यक्रम 2026 अभियान' के तहत सार्वजनिक संस्था धर्मादा धर्मशाला में आयोजित 'तिरंगा प्रदर्शनी' का औपचारिक शुभारंभ एवं अवलोकन करेंगे। कार्यक्रम में स्थानीय जन प्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे।

पंचायतीराज एवं नगर निकाय चुनावों की तैयारियों को लेकर जिला अल्पसंख्यक कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक आयोजित

चमकता राजस्थान

जालोर। ब्यूरो चीफ कयूम खान जालौर आगामी पंचायतीराज एवं नगर निकाय चुनावों को लेकर कांग्रेस संगठन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में जिला अल्पसंख्यक कांग्रेस विभाग की जिला संगठनात्मक बैठक रविवार को राजीव गांधी भवन, कांग्रेस कार्यालय जालोर में जिला अल्पसंख्यक कांग्रेस अध्यक्ष जाकिर खान की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में संभाग प्रभारी एवं प्रदेश अल्पसंख्यक कांग्रेस उपाध्यक्ष धनपालजी जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं जिला कांग्रेस कमेटी की जिलाध्यक्ष रमिला मेघवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक के दौरान आगामी

पंचायतीराज एवं नगर निकाय चुनावों की तैयारियों, संगठन के विस्तार तथा पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत एवं अधिक सक्रिय बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने तथा आपसी समन्वय के साथ जमीनी स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया।

- **बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने पर जोर**

बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के साथ ही अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को कांग्रेस संगठन से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यकर्ताओं से आमजन के बीच पहुंच बढ़ाने, स्थानीय स्तर की समस्याओं को मजबूती से उठाने तथा संगठन की गतिविधियों को लगातार सक्रिय रखने का आ''ान किया गया।

वक्ताओं ने कहा कि आगामी पंचायतीराज एवं नगर निकाय चुनावों को देखते हुए संगठन की मजबूती बेहद महत्वपूर्ण है। इसके लिए प्रत्येक बूथ तक कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने और आपसी तालमेल के साथ चुनावी रणनीति तैयार करने की आवशयकता है।

- **पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता रहे मौजूद**

बैठक में सहप्रभारी आमीन अली डायर, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जुल्फीकार अली भूटो, जिला कोषाध्यक्ष सुल्तान खानजी भाटी, प्रदेश संयोजक सलीम मोयला, रज्जब खान खोखर सहित अल्पसंख्यक कांग्रेस विभाग के विभिन्न नगर एवं ब्लॉक अध्यक्ष, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक के अंत में आगामी चुनावों को लेकर संगठनात्मक गतिविधियों को तेज करने, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा पार्टी संगठन को बूथ स्तर से लेकर जिला स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया गया।

खाद्य सुरक्षा विभाग की भाड़ौती मलारना डूंगर में 3 बड़ी कार्यवाही : नक़ली व मिलावटी सरस घी जब्त

चमकता राजस्थान

सरस से मिलते जुलते ब्रांड यस्वी सरस भी जब्त, खुला सरसों तेल भी पकड़ा

सवाई माधोपुर। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान डॉक्टर टी शुभमंगला मैडम के निर्देश पर प्रदेश में चलाए जा रहे शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत सी एम एच ओ सवाई माधोपुर डॉक्टर अनिल कुमार जैमिनी के नेतृत्व में फूड सेफ्टी ऑफिसर वेद प्रकाश पूर्विया व फूड सेफ्टी ऑफ़सिर नितेश गौतम की टीम ने सोमवार को सवाई माधोपुर के भाड़ौती में एक के बाद एक 3 बड़ी कारवाही की ।

खाद्य विभाग की टीम मेन मार्केट रोड भाड़ौती स्थित श्री त्रिनेत्र रिद्धि सिद्धि घी एजेंसी पहुंची वहाँ निरीक्षण करने दुकान में रखे सरस घी के डुप्लीकेट होने का संदेह हुआ । जब एक 1 लीटर के 10 पैकेट पर दफकोड स्कैन किया तो वह सरस का नहीं था व पैकेट को खोलने पर अंदर रखा पाउच भी लूज़ पड़ा था व पाउच की बनावट भी संदेहप्रद थी, टीम ने तुरन्त घी का नमूना लेकर शेष नकली घी को जब्त किया । तथा सरस के प्रतिनिधि को कॉपीराइट एक्ट में एफ आई आर कराने हेतु लिखा गया । खाद्य कारोबारकर्ता से पूछताछ में उसने बताया कि इस घी का कार्टून उसने निवाई (टोंक) में चावरिया काम्प्लेक्स गांधी पार्क के पास स्थित नेमीचंद जयकुमार नामक फर्म से ख़रीदा था जिसका बिल उसने मोके पर प्रस्तुत किया ।टीम ने सजकता दिखाते हुए टोंक के खाद्य सुरक्षा अधिकारी को उक्त फर्म की सूचना दी व कारवाही करने के लिए बोला ।

टीम ने इसी क्रम में भाड़ौती स्थित एक और फर्म विशाल ट्रेडर्स पर कार्यवाही की व सरस से मिलते जुलते ब्रांड यस्वी सरस का नमूना लिया व बचें घी को मोके पर ही जब्त किया । इसी फर्म से एक और नमूना सरसों के तेल का जो कि निवाई से खरीदा हुआ था का लिया ।

टीम ने अपनी कार्यवाही करते हुए भाड़ौती मलारना डूंगर में ही एक अन्य फर्म गर्ग ट्रेडर्स से खुले में एक स्टील की टंकी में बेचने हेतु रखे सरसों के तेल का नमूना लियो खुला तेल बेचना कांट्रावीन ऑफ़ एक्ट है इसके साथ इसी फर्म से लूज़ काजू के नमूने लिए ।

इसप्रकार भाड़ोती मलारना डूंगर से एनफोर्समेंट में लिए गए पाँचो नमूनों को खाद्य प्रयोगशाला जयपुर भिजवाया गया । जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी ।

संक्षिप्त समाचार

नर्सिंग ऑफिसर्स की समस्याओं को लेकर आरएनए प्रतिनिधिमंडल ने अधीक्षक से की वार्ता

- मथुरादास माथुर चिकित्सालय में सफाई-सुरक्षा, ऑनलाइन इंद्राज, बेड उपलब्धता एवं सेवा संबंधी मुद्दों पर हुई चर्चा

चमकता राजस्थान/जोधपुर, चंद्रप्रकाश मेघवाल। राजस्थान नर्सिंग एसोसिएशन जिला शाखा जोधपुर के प्रतिनिधिमंडल ने मथुरादास माथुर चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. विकास राजपुरोहित से मुलाकात कर नर्सिंग ऑफिसर्स के दैनिक कार्यों में आ रही विभिन्न समस्याओं एवं उनके समाधान को लेकर विस्तृत चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडल ने गत दिनों जिलाध्यक्ष जगदीश जाट के नेतृत्व में प्रशासन के साथ हुई वार्ता में उठाए गए विभिन्न मुद्दों पर अब तक हुई प्रगति की जानकारी ली। जिलाध्यक्ष के निर्देशानुसार समस्याओं को बिंदुवार रखते हुए उनके व्यावहारिक एवं शीघ्र समाधान को लेकर अधीक्षक के साथ विचार-विमर्श किया गया।

वार्ता के दौरान अस्पताल में सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े कर्मचारियों की कमी के कारण नर्सिंग आफिसर एवं मरीजों को हो रही परेशानियों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। इसके साथ ही मरीजों से संबंधित संपूर्ण विवरण को ऑनलाइन दर्ज करने में नर्सिंग ऑफिसर्स को आ रही तकनीकी एवं व्यावहारिक दिक्कतों के बारे में भी अवगत कराया गया।

प्रतिनिधिमंडल ने कुछ विभागों में मरीजों को समय पर बेड उपलब्ध नहीं होने से उत्पन्न होने वाली समस्याओं की ओर भी अधीक्षक का ध्यान आकर्षित किया। इसके अलावा नर्सिंग ऑफिसर्स के वर्दी भत्ता, आई कार्ड (बैज/नेम प्लेट) सहित अन्य सेवा सम्बन्धी समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

सरमथुरा में टंकी पर चढ़ा युवक, मचा हड़कंप, प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

चमकता राजस्थान/धौलपुर ब्यूरो चीफ : रामदास तरुण/ सरमथुरा (धौलपुर)। उपखंड कार्यालय पि-रसर में स्थित पानी की टंकी पर एक युवक के चढ़ जाने से सोमवार को क्षेत्र में हड़कंप मच गया। वायरल पोस्ट के अनुसार युवक क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर नाराज था और प्रशासन द्वा-रा धरना-प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिलने से आक्रोशित बताया जा रहा है। हालांकि पूरे मामले की वास्तविक स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। सूचना मिलते ही पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और युवक को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास शुरू किए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इस घटनाक्रम ने प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था के साथ- साथ जनसमस्याओं के समाधान और प्रशासन एवं आमजन के बीच संवाद व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर युवक को इतना आक्रोशित होने की नौबत क्यों आई? स्थानीय लोगों का कहना है, कि क्षेत्र की समस्याओं को लेकर समय पर सुनवाई और प्रभावी संवाद व्यवस्था जरूरी है। आमजन अपनी समस्याओं को शांतिपूर्ण तरीके से प्रशासन तक पहुंचा सके और शिकायतों का समयबद्ध समाधान हो, इसके लिए प्रशासन को मजबूत शिकायत निवारण व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। प्रशासन से उठी ये मांगें। पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच की जाए। युवक की शिकायतों एवं मांगों को गंभीरता से सुना जाए।सरकारी पानी की टंकियों एवं अन्य ऊंचे स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रशासन और आमजन के बीच प्रभावी संवाद व्यवस्था कायम की जाए। सरमथुरा की जनता का सवाल है कि जनसमस्याओं का समाधान समय पर होगा या प्रशासन को किसी बड़े हादसे का इंतजार करना पड़ेगा? घटना ने प्रशासन के सामने सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ जनसंवाद को मजबूत करने की जरूरत भी सामने ला दी है।

'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत नगर परिषद रायपुर की तिरंगा रैली में कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत हुए शामिल

दिव्यांगजनों सहित बड़ी संख्या में नागरिकों ने दिखाया राष्ट्रप्रेम का उत्साह

चमकता राजस्थान

ब्यावरा। 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत जिलेभर में आयोजित किए जा रहे राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों की श्रृंखला में सोमवार को नगर परिषद रायपुर द्वारा भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली में कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लेकर निकले लोगों ने देशभक्ति के नारों से वातावरण को राष्ट्रप्रेम से सराबोर कर दिया। रैली में दिव्यांगजनों ने भी पू-रे उत्साह एवं उमंग के साथ सहभागिता निभाते हुए देशभक्ति का जज्बा प्रदर्शित किया। विभिन्न वर्गों के लोगों ने तिरंगा हाथ में लेकर रैली में भाग लिया और 'हर घर तिरंगा' अभियान का संदेश जन-जन तक पहुंचाया।

रैली नगर परिषद रायपुर से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। मार्ग में आमजन ने तिरंगे का स्वागत करते हुए रैली में शामिल प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान देशभक्ति गीतों एवं नारों से पूरा रायपुर राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा नजर आया।

कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है। 'हर घर तिरंगा अभियान' प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रप्रेम की भावना को और मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने आमजन से अपने घरों पर तिरंगा फहराकर अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने का आ''ान किया।

रैली में नगर परिषद के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, युवाओं, महिलाओं एवं बड़ी संख्या में आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन ने एकता, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

मरणोपरांत अमरजीत कौर इंसा का देहदान, परिवार ने पेश की मानव सेवा की मिसाल

चमकता राजस्थान/रायसिंहनगर (जिला संवाददाता संजय बिश्नोई)। तहसील रायसिंहनगर के ग्राम उड़सर निवासी अमरजीत कौर इंसा, धर्मपत्नी श्री नायब सिंह, का कल देवलोक गमन हो गया। उनके निधन के बाद परिवार ने समाज के लिए प्रेरणादायक निर्णय लेते हुए उनका मरणोपरांत देहदान कर मानव सेवा की अनूठी मिसाल पेश की। परिजनों ने बताया कि अमरजीत कौर इंसा की अंतिम इच्छा और मानव कल्याण की भावना को सम्मान देते हुए उनके पार्थिव शरीर को कुरुक्षेत्र (हरियाणा) स्थित मेडिकल कॉलेज को सौंपा गया, जहां चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान कार्यों में इसका उपयोग किया जाएगा। इस सेवा कार्य की क्षेत्र में व्यापक सराहना हो रही है। सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने इसे अत्यंत प्रेरणादायक कदम बताते हुए कहा कि देहदान महादान है, जिससे भविष्य के चिकित्सकों को अध्ययन में सहायता मिलती है और चिकित्सा विज्ञान के विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिलता है। ग्रामीणों ने अमरजीत कौर इंसा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका यह निर्णय समाज को मानव सेवा और परोपकार के लिए प्रेरित करेगा। परिवार के इस संवेदनशील एवं जनहितकारी कदम को लोगों ने अनुकरणीय बताया।

टिफिन गोठ एक संकल्प टीम की मासिक गोठ हुई श्री बाबोसा मंदिर में लिया गया संकल्प

चमकता राजस्थान/मनीष मेहता जोधपुर। टिफिन गोठ परिवार में श्री बाबोसा मंदिर प्रांगण में सावन के दिनों में जो उत्सव पूरा शिवमय हो गया उतना जोश देखते बना सभी टिफिन गोठ परिवार ने बहुत खास माहौल में एकसाथ मनाया सब टिफिन में तरह तरह के व्यंजन लाए थे संजय भंडारी अन्नू सेठी उषा गर्ग ने बताया गोठ की प्रधानाचार्य हर बार की तरह सभी ने शिव जी बाला जी ओर माता रानी गणपति जी कृष्ण जी के भजन ,गीत संगीत से माहौल में आनंद लिया जिसमें टिफिन गोठ में सदस्य दैनिक भास्कर के फेमस सिंगर मनीष जी व्यास जी का मावे का केक काटकर जन्मदिन की शुभकामना जैसे हर जन्मदिन हर सदस्य का टिफिन गोठ मनाती है मनाया गया एडवोकेट संजीव व्यास अमित पेड़ीवाल ने बताया मंदिर के राकेश जैन मोना हरवानी वीना सखरानी अविनाश मुथा कैलाश मालपानी रितिका जी लक्ष्मी शेखावत निक्की गेहानी शशि जी दैय्या विद्या जी दुर्गा चितारा ज्योति भटेजा संगीता जी महेश्वरी और मंदिर के भक्तों द्वारा जो शानदार आध्यात्मिक माहौल रहा उषा गर्ग अन्नू सेठी ने बताया मोना हरवानी मिसेज सावन बनी जबकि बेस्ट ड्रेस गीता खेतानी रही बेस्ट साड़ी दुर्गा चितारा रहीं बेस्ट गीत शशि दईया और ज्योति भटेजा रही बेस्ट मेल सिंगर मनीष व्यास और अमित पेड़ीवाल रहे बेस्ट कविता संजय भंडारी रहे बेस्ट डांस लक्ष्मी शेखावत रितिका मनवानी का रहा बेस्ट सावन मेकअप क्वीन अन्नू सेठी रही बेस्ट सावन भगवान शिव की कहानी में विद्या चौधरी प्रथम रही सभी को संजय भंडारी एडवोकेट संजीव व्यास अमित पेड़ीवाल ने इनाम दिए इस बार का संकल्प रहा बारिश के गड्ढे या टूटी सड़को से होने वाले हादसों के लिए काम किया जाएगा संबंधित अधिकारी से बात करके करवाएंगे ठीक

कैलाश सोनी अपहरण-लूटकांड का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

- पुलिस थाना शेरगढ़ व जिला विशेष टीम की संयुक्त कार्यवाही

चमकता राजस्थान/शेरगढ़। रिपोर्टर रावल सिंह शेरगढ। पुलिस ने सोलंकियातला गांव में दिनांक 20/07/2026 की रात हुई कैलाश सोनी के अपहरण और लूटपाट मामले का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस संबंध में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य आरोपी नारायणराम भील की तलाश जारी है। पदमगढ़ सोलंकियातला निवासी कैलाश सोनी ने 22 जुलाई को शेरगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि बदमाशों ने उनका अपहरण कर सोने-चांदी के गहने लूट लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर इस वारदात के खुलासे के लिए शेरगढ़ थाना पुलिस और जिला विशेष टीम की संयुक्त टीम गठित की गई थी। 8 अगस्त को जिला विशेष टीम प्रभारी श्रवण कुमार भंवरिया के नेतृत्व में टीम ने संदिग्धों से पूछताछ कर आरोपियों की पहचान की। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने 20 जुलाई की रात कैलाश सोनी के साथ सोलंकियातला में हुई वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। जांच में पता चला कि आरोपियों को कैलाश सोनी के दुकान से घर आने-जानेकी जानकारी मोबाइल के जरिए मिली थी, जिसके बाद उन्होंने इस वारदात को अंजाम दिया।

पांचेटिया स्कूल में निकाली तिरंगा रैली

चमकता राजस्थान/खिंवाड़ा/घेनड़ी (विकास शर्मा)। खिंवाड़ा कस्बे के निकतवर्ती राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पांचेटिया में विद्यालय के बच्चों ने तिरंगा रैली निकाल कर दिया एकता का संदेश का संदेश।

प्रधानाचार्य राधेश्याम राजपुरोहित ने संवादाता को बताया कि शिक्षा निदेशक बीकानेर व मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मिश्रीलाल बंजारा मारवाड़ जंक्शन के निर्देशा अनुसार आज विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा पूरे ग्राम के तिरंगा रैली निकालकर दिया एकता का संदेश । इस दौरान हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे के साथ रैली का आयोजन किया।

तिरंगा रैली में विद्यालय के समस्त स्टॉफ परिवार का रहा साथ

बाबूलाल मीणा व्याख्याता, हरिराम मीणा व्याख्याता, ललितसिंह आढ़ा वरिष्ठ अध्यापक, रेखा कंवर मैडम, अरविन्द शर्मा वरिष्ठ अध्यापक, अमरचंद सामरिया, छगनराज राव, जयप्रकाश, लाखन मीणा, अनिल जोशी, अमित गौड़ विजयसिंह, शंकरलाल, हिम्मताराम

आम जनता का दुर्भाग्य करों का बोझ और सुविधाओं का अभाव

इस देश का दुर्भाग्य है कि एक आम नागरिक की आय पर अलग-अलग प्रकार के करों का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। आय पर टैक्स, वस्तुओं पर ऋळ, वाहन पर रोड टैक्स और फिर उसी सड़क पर चलने के लिए टोल टैक्स– आखिर यह व्यवस्था किस दिशा में जा रही है?

यदि सरकार वाहन खरीदते समय रोड टैक्स लेती है, तो फिर सड़कों के उपयोग के लिए बार-बार टोल टैक्स क्यों? और यदि टोल टैक्स के माध्यम से सड़क निर्माण और रखरखाव का खर्च लिया जा रहा है, तो रोड टैक्स का औचित्य क्या है? आम नागरिक के लिए इन करों का पूरा हिसाब-किताब समझना मुश्किल होता जा रहा है। एक व्यक्ति 100 कमाता है तो विभिन्न प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के माध्यम से उसकी आय का बड़ा हिस्सा सरकार और कर-व्यवस्था में चला जाता है। जो पैसा उसके पास बचता है, उसी से उसे घर चलाना है, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, परिवहन और दूसरी आवश्यकताओं का खर्च उठाना है। इसके बावजूद कर देने वाले नागरिक को मूलभूत सुविधाएँ भी अपेक्षित स्तर पर नहीं मिलतीं।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जो नागरिक पूरी जिंदगी ईमानदारी से टैक्स देता है, उसके कठिन समय में सरकार उसके साथ कितनी खड़ी होती है? यदि किसी व्यक्ति की नौकरी चली जाए, व्यापार बंद

हो जाए या आय का स्रोत समाप्त हो जाए, तो वर्षों तक दिए गए टैक्स के बदले उसे सामाजिक सुरक्षा का कितना भरोसा मिलता है?

यदि हम विकसित देशों की कर-व्यवस्था का उदाहरण देकर अपने नागरिकों से टैक्स लेते हैं, तो फिर उन देशों की सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएँ, बेरोजगारी सहायता, सार्वजनिक परिवहन और नागरिक सुविधाओं की व्यवस्था से भी सीखना चाहिए। केवल कर वसूलने की व्यवस्था की नकल क्यों हो? नागरिकों को सुविधाएँ देने की व्यवस्था की भी नकल होनी चाहिए।

दूसरी बड़ी समस्या भ्रष्टाचार और सरकारी कार्यों की गुणवत्ता की है। करोड़ों-अरबों रुपये खर्च करके सड़कें बनाई जाती हैं और कई जगह एक-दो वर्ष में ही सड़कें टूटने लगती हैं। आखिर इसकी जवाबदेही किसकी है? जिस ठेकेदार ने घटिया निर्माण किया, जिस अधिकारी ने उसका निरीक्षण किया और जिस व्यवस्था ने उसे भुगतान किया–क्या उन सबकी जिम्मेदारी तय नहीं होनी चाहिए? विकास हो रहा है, यह निश्चित रूप से अच्छी बात है। लेकिन विकास का अर्थ केवल नई सड़कें, पुल और इमारतें बनाना नहीं है। विकास का वास्तविक अर्थ है– ईमानदार व्यवस्था, गुणवत्तापूर्ण निर्माण, पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिकों को सम्मानजनक सुविधाएँ।

सरकार को यह समझना होगा कि नागरिक केवल टैक्स देने वाली मशीन नहीं है। वह देश की अर्थव्यवस्था का आधार है। वह अपनी मेहनत की कमाई से सरकार को चलाने में योगदान देता है। इसलिए सरकार की जिम्मेदारी केवल टैक्स लेना नहीं, बल्कि उस टैक्स का सही उपयोग करना और नागरिकों को उसके अनुरूप सुविधाएँ देना भी है।

देश तभी मजबूत बनेगा जब टैक्स देने वाला नागरिक यह महसूस करे कि उसका पैसा सही जगह खर्च हो रहा है, भ्रष्टाचार पर कठोर कार्रवाई हो रही है और कठिन समय में सरकार उसके साथ खड़ी है।

वरना सवाल उठना स्वाभाविक है–

''नागरिकों से लेने के लिए इतनी व्यवस्थाएँ हैं, लेकिन नागरिकों को देने के लिए व्यवस्था कहाँ है?''

यही सवाल आज हर ईमानदार करदाता के मन में है।

वाल्मीकि सेना द्वारा 12 अगस्त को होगा धरने का आयोजन

चमकता राजस्थान/जयपुर। शहर में चल रहे वाल्मीकि समाज के धरने को जयपुर शहर के सभी वाल्मीकि मोहल्लों से समाज के लोगों का जन समर्थन मिल रहा है समाज में पूर्व में रह चुके नेताओं के समाज की अकल्याणकारी नीतियों के कारण वाल्मीकि सेना ने यह बागडोर

संभाली है समाज में जागृति आए इस कारण वाल्मीकि सेना द्वारा दिनांक 12 अगस्त 2026 को शहीद स्मारक एम आई रोड जयपुर पर एक आंदोलन का आयोजन किया जा रहा है ,जिसमें राज्य सरकार द्वारा की जा रही भर्ती के संबंध में भर्ती रद्द करने का पूरा प्रयास किया जाएगा वाल्मीकि सेना के प्रदेश अध्यक्ष अनिल बाल्मीकि ने समाज से आवाहन किया है कि अभी नहीं जगे तो कभी नहीं जागेंगे इसलिए ज्यादा से ज्यादा संख्या में पूरे राजस्थान से आवाहन करते है कि इस आंदोलन में पधार कर समाज के सभी पुरुष और महिलाएं काले कपड़े को पहनकर आंदोलन स्थल पर पहुंचे और आंदोलन को सफल बनाएं इस आंदोलन में कांग्रेस के प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली, प्रताप सिंह खाचरियावास ,रफीक खान विधायक आदर्श नगर के द्वारा बाल्मीकि समाज के गणमान्य सदस्य एवं वरिष्ठ नेता इस आंदोलन को संबोधित करेंगे !

ये मत समझिए...

छात्रों से मुलाकात के बाद राहुल गांधी का अमित शाह पर निशाना

नयी दिल्ली।

8 अगस्त को यूपी के प्रयागराज में हुए छात्रों की गूंज कार्यक्रम से जुड़ा पोस्ट राहुल गांधी ने एक्स पर शेयर करते हुए गृहमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं. लोकसभा नेता प्रतिपक्ष ने रविवार यानी 9 अगस्त 2026 को अपने पोस्ट में कहा, (अब मेरे पास कोई रास्ता नहीं बचा) कल प्रयागराज में एक छात्र ने मुझसे यही कहा. सालों की तैयारी, घर की जमीन बेची, मां-बाप का कर्ज और फिर भी हाथ में कुछ नहीं. उन्होंने कहा, 'यह हार उसकी नहीं है. यह हार उस व्यवस्था की हार है, जिसने उसकी मेहनत का दाम देने से इनकार कर दिया.

13 दिन हो गए एक शब्द मुंह से नहीं निकला : राहुल गांधी ने गृहमंत्री को घेरा

इसके अलावा, राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में गृहमंत्री से भी चुप्पी को लेकर सवाल किया है. उन्होंने कहा, 'तेरह दिन हो गए. गृह मंत्री अमित शाह के मुंह से एक शब्द नहीं निकला. मोदी जी माफी मांगने की जगह क्षमा बांट रहे हैं.' उन्होंने पोस्ट में गृहमंत्री शाह को टैग करते हुए लिखा, 'अमित शाह जी, यह मत समझिए कि हम जवाबदेही मांगना बंद कर देंगे. राजधानी की सड़कों पर बच्चों पर लाठियां और पैलेट गन चले और आपने एक शब्द नहीं कहा. आज नहीं तो कल, इस जुर्म का जवाब आपको देना ही पड़ेगा. छात्र देश की रोशनी हैं, और मैं उनकी पूरी शक्ति के साथ खड़ा हूं.'

प्रयागराज में राहुल गांधी ने दिया था भाषण

राहुल गांधी ने शनिवार को छात्रों को संबोधित करते हुए कहा था कि एक ऐसा समय था, जब इलाहाबाद देश की सबसे अच्छी यूनिवर्सिटी थी. आज शाम मैं आपसे दर्द, डेटा और दौलत पर बात करने आया हूं. हिंदुस्तान के पास दुनिया का सबसे बड़ा यूथ पावर है. यह देश की स्ट्रेंथ है. अमेरिका की बात होती , रूस और चीन की बात होती है. इंडिया के यूथ के आगे ये सब कुछ नहीं है. देश में एक हजार युवाओं में से सिर्फ 12 को परमानेंट नौकरी मिलती है. राहुल ने अपने संबोधन में छात्रों की समस्याओं और भविष्य में किस तरह की नजरिया होना चाहिए, इस पर भी युवाओं के सामने अपनी बात रखी. राहुल ने इसके अलावा डेटा से जुड़े मुद्दे पर भी छात्रों से बात की।

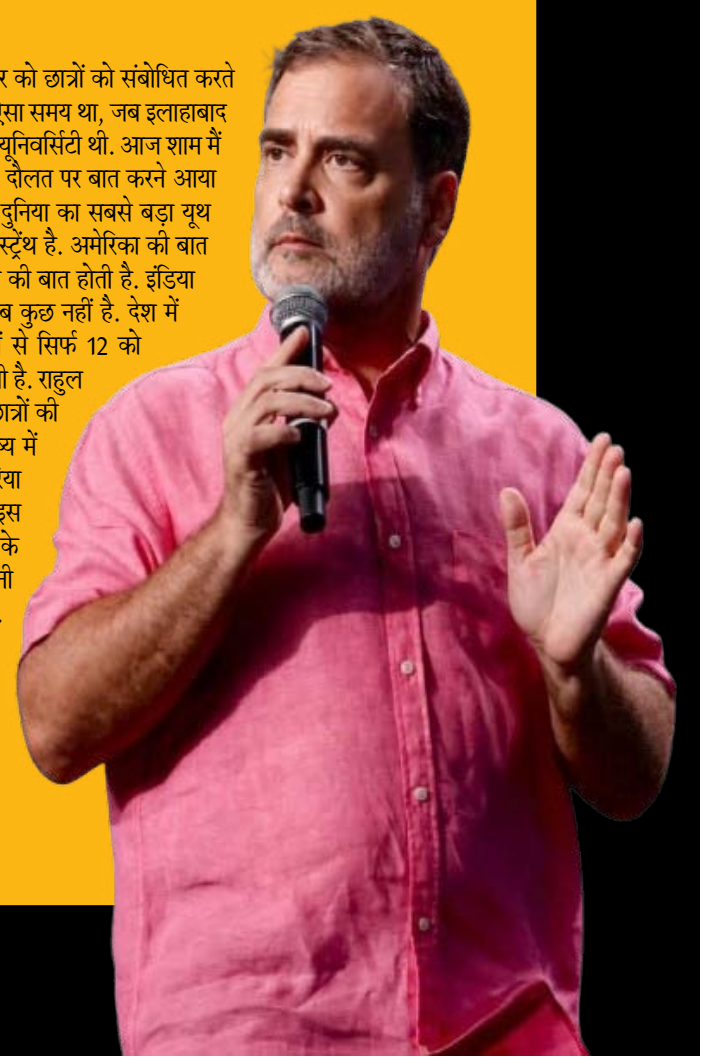

राजकीय श्रावणी मेला, 2026

उपायुक्त ने अहले सुबह मेला क्षेत्र और बाबा मंदिर का किया सघन निरीक्षण

- सुगम व सुरक्षित जलार्पण के लिए अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

देवघर। राजकीय श्रावणी मेला, 2026 के सफल, सुरक्षित और सुव्यवस्थित संचालन को लेकर आज रविवार को अहले सुबह उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी श्री सौरभ कुमार भुवानिया ने मेला क्षेत्र के विभिन्न रुटलाइन और बाबा बैद्यनाथ मंदिर प्रांगण का व्यापक निरीक्षण किया। उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश-विदेश से आने वाले देवतुल्य श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो और वे सुगमतापूर्वक बाबा पर जलार्पण कर सकें। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने बीएड कॉलेज, तिवारी चौक, जलसार पार्क और शिवराम झा चौक का दौरा किया। उन्होंने इन क्षेत्रों में प्रशासनिक तैयारियों, बैरिकेडिंग, रूटलाइन व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाओं की बारीकी से जांच की। मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को कमियों को तत्काल दूर करने और व्यवस्थाओं को पूरी तरह चाक-चौबंद रखने का कड़ा निर्देश दिया गया। इसके पश्चात उपायुक्त ने बाबा मंदिर के आसपास के क्षेत्रों तथा मंदिर प्रांगण का सघन निरीक्षण किया। वहां प्रतिनियुक्त अधिकारियों, दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि मेला ड्यूटी को केवल एक प्रशासनिक दायित्व न समझें, बल्कि इसे सेवा का एक पुनीत अवसर मानते हुए पूरी निष्ठा और सेवा भाव से श्रद्धालुओं की सहायता करें। रविवार और आगामी सोमवारी को लेकर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए उपायुक्त ने भीड़ प्रबंधन (क्राउड मैनेजमेंट) की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि कतारबद्ध तरीके से श्रद्धालुओं को आगे बढ़ाया जाए ताकि सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित जलार्पण सुनिश्चित किया जा सके। सुरक्षा के दृष्टिकोण से उन्होंने सीसीटीवी कैमरों, नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) और सूचना केंद्रों को भी निरंतर सक्रिय और सतर्क रहने को कहा। इस दौरान उपरोक्त के अलावा उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार, जिला खेल पदाधिकारी संतोष कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी, व संबंधित दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

ममता बनर्जी पर हमला, कार पर फेंके गए पत्थर, लगाए 'चोर-चोर' के नारे

कोलकाता। कथित पुलिस कस्टडी में मारे गए पश्चिम बंगाल के हलीसहर में तृणमूल के कार्यकर्ता के परिवार से मिलने गईं, पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भारी विरोध का सामना करना पड़ा. स्थानीय लोगों ने उनकी गाड़ी को रास्ते में रोक दिया. जब तक गाड़ी रुकी रही, विरोध प्रदर्शन जारी रहा. रविवार को प्रदर्शनकारियों ने गाड़ी पर कीचड़ पोता. जूते चप्पल फेंके. अपशब्द बोले और चोर जैसे नारे लगाए गए. टीएमसी नेता ममता बनर्जी ने पूरे घटनाक्रम पर कहा है कि यह घटना स्थानीय ग्रामीणों ने नहीं, बल्कि बीजेपी के गुंडों ने रची. इधर, स्थानीय लोगों का कहना है कि ममता एक शांत इलाके में अशांति फैलने आई थीं. इससे हालात बिगड़ गए. ममता ने इस पूरी घटना पर बीजेपी पर आरोप मढ़े हैं. ममता बनर्जी ने आरोप लगाते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल पुलिस की हिरासत में मारे गए टीएमसी कार्यकर्ता के परिवार से मिलने के दौरान कार पर पत्थर फेंके गए. उन्हें चोर कहकर अपशब्द कहे गए हैं.

80वें स्वतंत्रता दिवस से पहले पीएम नरेंद्र मोदी की अपील- 'तिरंगा हमारा गौरव, हर घर में फहराएं

नयी दिल्ली।

देश 80वें स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों में जुटा है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नागरिकों से केंद्र सरकार के 'हर घर तिरंगा' अभियान में उत्साह के साथ शामिल होने की अपील की। पीएम मोदी ने तिरंगे को देश का गौरव और हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की प्रेरणा का स्रोत बताया। इस साल 'हर घर तिरंगा' अभियान की थीम 'वंदे मातरम' रखी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर कल्चरल मिनिस्ट्री की एक पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए लोगों से अभियान में भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश का गौरव है और लगातार बेहतर करने की प्रेरणा देता है। पीएम मोदी ने कहा, 'हमारा तिरंगा हमारा गौरव है और हमेशा देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की प्रेरणा का स्रोत है।' उन्होंने लोगों से 'हर घर तिरंगा' आंदोलन में उत्साहपूर्वक भाग लेने और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने के सामूहिक संकल्प को मजबूत करने की अपील की। प्रधानमंत्री ने इस साल अभियान की थीम 'वंदे मातरम' रखे जाने पर भी खुशी जताई। उन्होंने कहा कि यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इस साल 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। कल्चरल मिनिस्ट्री ने कहा कि पिछले 150 सालों से 'वंदे मातरम' का आ''ान देश की आत्मा को झकझोरता रहा है। मंत्रालय के मुताबिक, इस स्वतंत्रता दिवस पर उसी भावना को देश के हर घर और हर गली तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत तिरंगा यात्राएं, तिरंगा रैलियां, तिरंगा कॉन्सर्ट और सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम' का गायन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

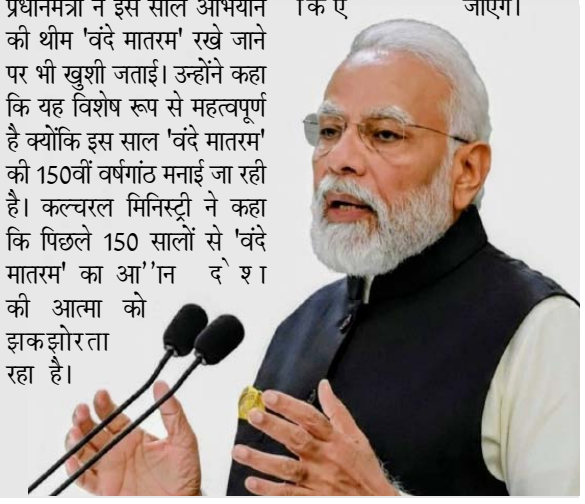

दीक्षांत समारोह में सीजेआई को मुख्य अतिथि बनाने का विरोध

हैदराबाद।

हैदराबाद स्थित नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के कुछ छात्रों ने आगामी दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत को बुलाए जाने के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया है। इस संबंध में छात्रों ने विश्वविद्यालय के कुलपति रजिस्ट्रार और प्रोफेसरों को ईमेल लिखा है। छात्रों की ओर से 23 जुलाई को भेजे गए ईमेल के अनुसार, हाल में जंतर मंतर पर आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पुलिस बर्बरता से जुड़ी याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने इन्कार कर दिया था। जब वरिष्ठ कील ने ज्यादती के वीडियो सबूत दिखाने चाहे, तो कहा गया था कि वीडियो देखने में रुचि नहीं रखती है। छात्रों ने ईमेल में लिखा, कानून के छात्रों के रूप में हमारी चिंता दीक्षांत समारोह के संदर्भ में है। यह ऐसा अवसर होता है जहां विश्वविद्यालय के अपने मूल्य, जिनमें सांविधानिक अधिकारों के प्रति प्रतिबद्धता, न्याय तक पहुंच और शिकायतों पर तर्कसंगत जुड़ाव शामिल हैं, स्पष्ट रूप से झलकने चाहिए। छात्रों ने कहा, हम महसूस करते हैं कि एक ऐसे गणमान्य व्यक्ति के हाथों अपनी डिग्री लेना, जिनका हालिया सार्वजनिक आचरण नागरिकों के खिलाफ पुलिस बर्बरता के गंभीर आरोपों को लेकर उदासीन प्रतीत होता है, उन मूल्यों के साथ मेल नहीं खाता जो हमने नालसार में सीखे हैं। छात्रों ने स्पष्ट किया कि वे किसी भी औपचारिक फैसले से पहले इस मामले को उठा रहे हैं ताकि उनके विचारों को समय रहते ध्यान में रखा जाए। उन्होंने विश्वविद्यालय से अनुरोध किया है कि वे मुख्य अतिथि के चयन पर गंभीरता से पुनर्विचार करें और अंतिम निमंत्रण भेजने से पहले सलाह-मशविरा करें।

अड़ गए नेतन्याहू...

गाजा को लेकर ट्रंप का प्लान किया खारिज, कहा- नहीं हटाएंगे सेना

तेल अवीव।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि इजरायल ने गाजा के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 15-पॉइंट पीस प्लान को खारिज कर दिया है और जब तक हमास पूरी तरह से हथियार नहीं डाल देता, तब तक इजरायल पीछे नहीं हटेगा. नेतन्याहू ने कैबिनेट मीटिंग में इजरायल डिफेंस फोर्सेज का जिक्र करते हुए कहा, 'इजरायल 15-पॉइंट वाले डॉक्यूमेंट को खारिज करता है. आईडीएफ तब तक कोई वापसी नहीं करेगा जब तक हमास सच में हथियार नहीं छोड़ देता.' हमास के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया, 'हमास और दूसरे ग्रुप्स ने मीडिएटर्स को कन्फर्म किया है कि वे एग्रीमेंट को लागू करना शुरू करने और दूसरे फेज में जाने के लिए तैयार हैं, बशर्ते इसे इजरायली मंजूरी मिल जाए और इजरायल एग्रीमेंट को लागू करना शुरू कर दे.'

कुछ दिन पहले, संयुक्त अरब अमीरात ने सात दूसरे मुस्लिम-बहुल देशों के साथ मिलकर एक जॉइंट डिक्लेरेशन जारी किया था. इसमें गाजा पट्टी में इजरायल के मिलिट्री कैंपेन की कड़ी आलोचना की गई थी और आरोप लगाया गया था कि उसके कामों से ट्रंप के शांति फ्रेमवर्क को पटरी से उतरने का खतरा है।

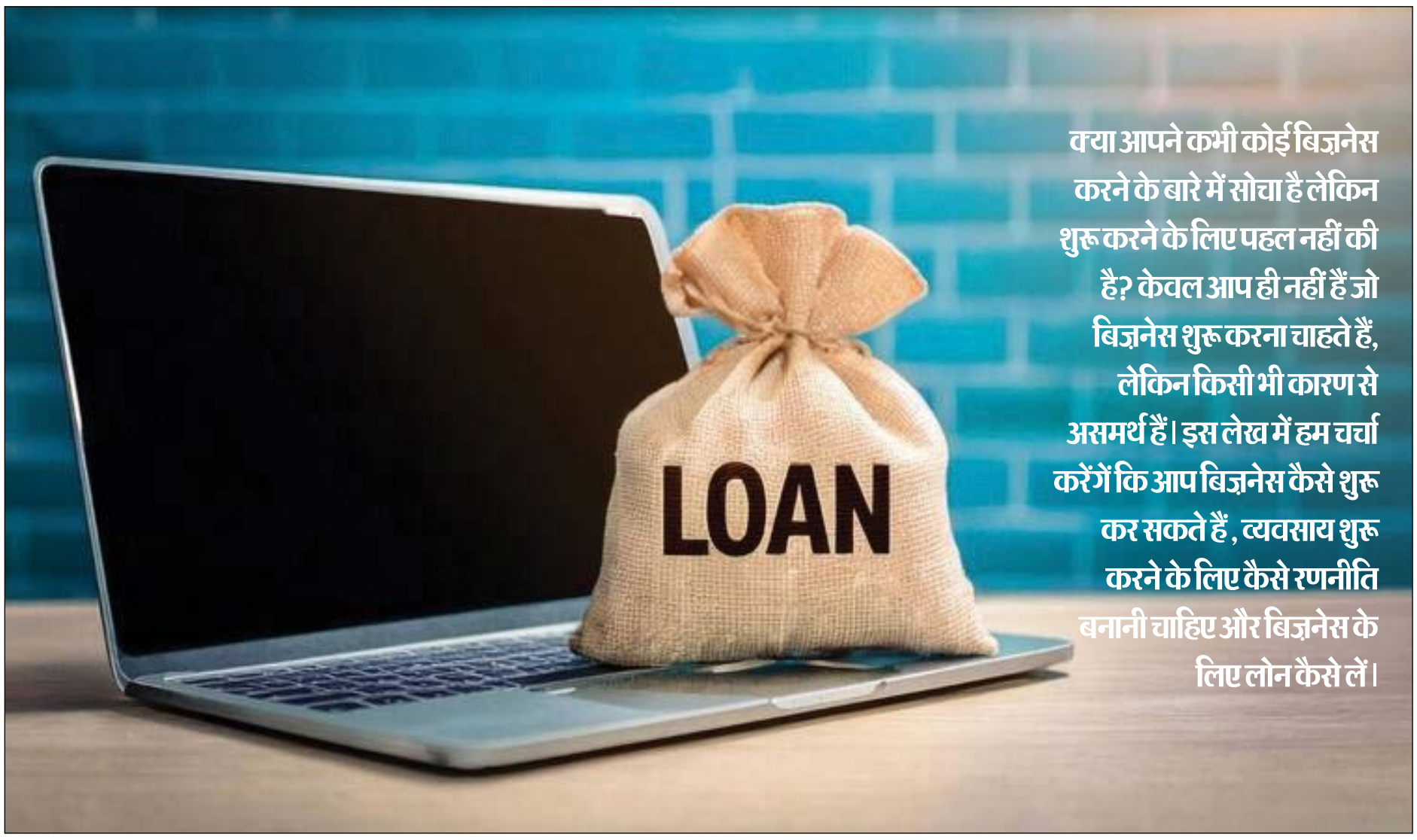

बिज़नेस कैसे शुरू करें? ऐसे मिलेगा बिज़नेस शुरू करने के लिए लोन

बिल्डिंग एसोसिएशन

मार्केट में बने रहने और लाभ कमाने के लिए, आपको प्रभावशाली ब्लॉगर्स और फ्री/ सैंपल गिफ्ट या प्रोडक्ट के एक्सचेंज के लिए प्रमोशन करना होगा। अपनी पहचान बनाने के लिए चैरिटी संगठनों के साथ जुड़ें और कुछ प्रोडक्ट के साथ वॉलेंटियर करें। बेहतर ग्रोथ की संभावनाओं के लिए उद्योग में मौजूदा बड़े ब्रॉन्ड के साथ कोलैबोरेशन करें।

धैर्य रखें और आगे बढ़ते रहें

एक स्टार्टअप व्यवसाय के शुरूआती चरणों में, लाभ मार्जिन या ब्रेकवेन के बजाय बिक्री पर अधिक ध्यान दें। अधिकांश उद्यमियों ने धैर्य और फोकस की कमी के कारण बिज़नेस बीच में ही छोड़ दिया। व्यापार के शुरुआती चरणों के दौरान लगातार बने रहना मुश्किल काम है, इसमें निरंतरता टूटती है और ध्यान भंग होता है जिससे नुकसान होता है। इसलिए, हमेशा यह सुझाव दिया जाता है कि धैर्य रखें और कड़ी मेहनत करते रहें और सही समय आने पर अच्छे परिणाम मिलेंगे।

व्यवसायी बनने का विचार/आइडिया

वर्किंग टाइम, वर्क प्रोफाइल, लाइफस्टाइल, पब्लिक डीलिंग, निवेश का समय आदि से जुड़ें नौकरीपेशा कर्मचारी और व्यवसाय करने वाले के बीच बहुत बड़ा अंतर है। व्यवसायिक बनने से पहले दो बार सोचें। जिस प्रकार का व्यवसाय आप शुरू करना चाहते हैं, बाज़ार में इसकी मांग, व्यवसाय का आकार, निवेश की आवश्यकता और वार्षिक बजट कुछ ऐसे कारक हैं, जिन पर आपको अवश्य विचार करना चाहिए। यदि आप इन सभी सवालों के जवाब के साथ तैयार हैं, तो आप अपना खुद का बिज़नेस शुरू करने के लिए तैयार हैं।

अपने कौशल (स्किल) के अनुसार बिज़नेस चुनें

एक नया बिज़नेस शुरू करने के लिए कौशल/स्किल तैयार करने की आवश्यकता होती है जो किसी बिज़नेस की आवश्यकताओं से मिलता हो। लोगों को उस व्यवसाय को शुरू या उसमें निवेश करना चाहिए जो कहीं न कहीं उनके कौशल से जुड़ा है। हर कोई किसी न किसी काम में अच्छा होता है; बस जरूरत है प्रतिभा को ढूढ़ने और उसे बेहतर बनाने की। बिज़नेसमैन बनने की योजना बनाने से पहले अपने आप को बेहतर तरीके से जानें, अपनी खूबियों और खामियों का विश्लेषण करें। एक नए क्षेत्र को पूरी तरह से चुनना जोखिमभरा है।

बिज़नेस और बाज़ार का विश्लेषण

सबसे महत्वपूर्ण कारक जो किसी व्यवसाय को सफल या असफल बनाता है। वह है बिज़नेस पर रिसर्च और मार्केट विश्लेषण। सुनिश्चित करें कि आप जो बिज़नेस शुरू करने वाले हैं, उसकी मार्केट में मांग है और ज़्यादा व्यापारियों द्वारा इस बिज़नेस को न किया जा रहा हो। अपने बिज़नेस के कॉम्पिटिटर्स को ढूंढें और बिज़नेस करने के उनके स्टाइल का पता लगाएं। अपने बिज़नेस से जुड़े प्रोडक्ट, कच्चे माल, मशीनरी, उपकरण, आदि की मांग को पूरा करने के लिए सप्लायर का पता लगाएं। बाज़ार में पहले से ही बेचे गए प्रॉडक्ट के खर्च और कीमतों को ट्रैक करें और देखें कि लोगों को अंत में लाभ कितना हो रहा है।

खर्च जानें

आपको यह तय करने की आवश्यकता है कि बिज़नेस शुरू करने में आपका कितना खर्च आएगा। अगला सवाल आपको खुद से पूछने की ज़रूरत है कि 'क्या आपके पास अपना बिज़नेस शुरू करने के लिए उचित फंड है या आपको बैंक से लोन लेने की आवश्यकता होगी?' यदि आपको और अधिक पैसों की आवश्यकता है तो आपके लिए बिज़नेस लोन के लिए आवेदन करना सबसे सुरक्षित विकल्प है। यह कदम पहले से उठाया जाना चाहिए क्योंकि अधिकांश स्टार्टअप स्थापित होने में विफल होते हैं क्योंकि वे अपने बिज़नेस की स्थापना के शुरुआती चरणों में पैसों की मांग को पूरा नहीं कर पाते हैं।

बिज़नेस प्लान बनाना

बिज़नेस प्लान में आपके व्यवसाय से जुड़ी सभी जानकारी शामिल होनी चाहिए। यह मूल रूप से आपके बिज़नेस और इसकी ग्रोथ में मदद करने के लिए एक रोड मैप है। बिज़नेस प्लान आपके लाभ का परीक्षण करने और आपकी आर्थिक आवश्यकताओं को समझने में मदद करती है। इसके अलावा, यदि आप व्यवसाय बढ़ाने के उद्देश्यों के लिए बिज़नेस लोन लेना चाहते हैं, तो अच्छी तरह से बिज़नेस प्लान को लोन संस्थानों में जमा करें, जिसमें बैंक और एनबीएफसी शामिल हैं।

स्थान तय करें

बिज़नेस के लिए लोकेशन सबसे महत्वपूर्ण फैसलों में से एक है जो एक एंटरप्रेन्योर लेता है, क्योंकि यह व्यवसाय का भविष्य तय करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपने बिज़नेस की भौतिक उपस्थिति स्थापित करने के लिए, दो बातों पर विचार करना चाहिए। पहला ग्राहकों के उद्देश्य के लिए उनकी आवश्यकता और दूसरा मार्केट / शॉपिंग मॉल। यह नेटवर्किंग के अवसरों और ग्राहक आधार को बढ़ाता है।

अपने बिज़नेस को सेट करना

एक बार लोकेशन फाइनल हो जाने के बाद और रेंट एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किया जाता है (यदि लागू हो), तो अगली बड़ी बात आपके बिज़नेस को नीचे दी गई बातों के पर भी ध्यान देना चाहिए-

अपने बिज़नेस का नाम

अपने बिज़नेस को रजिस्टर्ड करना

कंपनी के नाम के तहत एक करंट अकाउंट खोलना

एक टिन, पैन और जीएसटी नंबर प्राप्त करना

अकाउंट सिस्टम चुनना

एक वेबसाइट बनाना

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट खोलना

ये कदम आपके बिज़नेस को बेहतर तरीके से व्यवस्थित करने में आपकी मदद करेंगे और व्यवसाय की ग्रोथ को बढ़ाएँगे।

स्टाफ को काम पर रखना शुरू करें

शुरूआत में बिज़नेस चलाने के लिए आपको कितने स्टाफ की ज़रूरत है, उसकी चयन करें। साथ ही, बेहतर कौशलता, प्रॉडक्टिविटी और लाभ के लिए अनुभवी और कुशल लोगों को काम पर रखें। बिज़नेस के आकार के आधार पर आप संबंधित व्यवसाय टाइप के अनुसार, अधिकारियों, ग्राहकों की देखभाल के प्रतिनिधियों, मार्केटिंग एक्सपर्ट, अकाउंटेंट, ढ्ढञ्ज पेशेवरों, ।।क्र कर्मियों और अन्य पेशेवरों को काम पर रख सकते हैं।

अपने बिज़नेस का ब्रान्ड और विज्ञापन करें

अपने बिज़नेस का एक लोगो बनाएं जिससे ग्राहक आपके बिज़नेस का आसानी से पहचान सकें। लोगों को अपने व्यवसाय के बारे में बताएं ताकि आपके पास सामान या सेवाएं खरीदने के लिए आ सकें। अपने बिज़नेस के विस्तार के लिए अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अकाउंट बनाएं। एक मार्केट प्लान बनाएं, इसलिए व्यवसाय के शुरुआती छह महीनों में उसका विज्ञापन करने के लिए एक निश्चित बजट होना चाहिए।

गाइड बनकर भी कर सकते हैं लाखों की कमाई, ऐसे कर सकते हैं शुरूआत

शॉर्ट टर्म कोर्स कर बना सकते हैं करियरकरियर बनाने के लिए जरूरी नहीं कि कोई बड़ा कोर्स या फिर डिग्री ली जाए. अगर आपके पास हुनर है तो आप किसी भी फील्ड में अपना शानदार करियर बना सकते हैं. आपने कई टूरिस्ट गाइडों को देखा होगा, जो सिर्फ अपने तजुर्बे और इतिहास का ज्ञान रखकर हजारों टूरिस्ट्स को घुमाते हैं और काफी अच्छा पैसा भी कमा लेते हैं. एक गाइड बनने के लिए जरूरी नहीं है कि आपके पास कोई डिग्री हो. कुछ महीनों के डिप्लोमा के साथ इसके लिए बस आपको अपने आस-पास के शहरों की अच्छी जानकारी होनी चाहिए. हम आपको यहां बता रहे हैं कि गाइड बनकर कैसे आप अपने करियर को एक नया मोड़ दे सकते हैं और घूमते फिरते कमाई कर सकते हैं.

संस्कृति और इतिहास का ज्ञान –एक गाइड बनने से पहले यह जरूर सोच लें कि क्या आपको अपने शहर की संस्कृति या फिर उसके इतिहास का पूरा ज्ञान है. अगर ऐसा नहीं है तो आप एक अच्छे गाइड नहीं बन सकते हैं. कोई भी टूरिस्ट आपसे कुछ भी प्रश्न कर सकता है

और गलत उत्तर से आप उनका भरोसा खो देंगे. इसीलिए इतिहास की हर छोटी और रोमांचक जानकारियां अपने पास रखें.

हाजिर जवाब होना भी जरूरी – किसी भी गाइड को हाजिर जवाब होना जरूरी होता है. इससे पता चलता है कि आप कितने अनुभवी हैं और आपको चीजों की कितनी समझ है. बातों को रोमांचक तरीके से लोगों को बताना एक कला है, जो एक गाइड के तौर पर सीखना बहुत जरूरी है. आपके साथ मौजूद टूरिस्ट्स को जानकारी के साथ-साथ आपकी बातों से मजा भी आना चाहिए.

लोगों की जेब का रखें खयाल –अगर आप एक गाइड हैं तो आपको लोगों की यानि जिन्हें आप घुमा रहें हैं उनकी जेब का खयाल रखना जरूरी है. ऐसे में लोगों को किसी रीजनेबल होटल, रेस्तरां आदि में खाना खिलाना, किसी अच्छे होटल में ठहराना और टैक्सी आदि की सुविधा मुहैया करवाने जैसी सुविधाएं शामिल हैं.

कुछ महीनों का डिप्लोमा कोर्स – गाइड के कोर्स के लिए देशभर में कई इंस्टीट्यूट 3 या 6 महीना का डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं. ऐसे कोर्स करके आप आधिकारिक तौर पर एक गाइड के रूप में काम कर सकते हैं. इस कोर्स में आपको टूरिस्ट्स के साथ बात करने के जरूरी टिप्स भी बताए जाते हैं.

मौके भी कम नहीं – अगर आपने किसी अच्छे संस्थान से टूरिज्म ट्रैवल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट का कोर्स किया है तो आपके पास मौकों की कोई भी कमी नहीं होगी. कई ऐजेंसियां इसके लिए वेकेन्सी निकालती हैं और एक अच्छे पैकेज पर गाइड हायर करती हैं.

ये हैं एयरफोर्स में करियर बनाने के छह आसान रास्ते

आपके कौन सा सही रहेगा

भारतीय वायुसेना में करियर बनाना कई युवाओं का सपना होता है। अगर आप भी एयरफोर्स में शामिल होने का विचार कर रहे हैं, तो जानिए वो छह आसान तरीके जिनसे आप इस गौरवपूर्ण करियर का हिस्सा बन सकते हैं।

भारतीय वायुसेना देश की ताकतवर और सम्मानित सेनाओं में से एक है। यहां नौकरी करना सिर्फ एक प्रोफेशन नहीं, बल्कि देशसेवा और गर्व की बात मानी जाती है। हर साल हजारों युवा एयरफोर्स का हिस्सा बनने का सपना देखते हैं, लेकिन बहुत से लोग यह नहीं जानते कि इस फोर्स में भर्ती होने के कई रास्ते हैं। 12वीं के बाद से लेकर ग्रेजुएशन और डिप्लोमा तक, हर स्तर पर एंट्री पॉसिबल है।

अगर आप भी आसमान में उड़ना चाहते हैं और वर्दी पहनना आपका सपना है, तो जानिए कौन-कौन से एग्जाम और एंट्री स्कीम्स हैं, जिनसे आप भारतीय वायुसेना का हिस्सा बन सकते हैं।

12वीं के बाद एयरफोर्स में ऑफिसर बनने का मौका (एनडीए)

एनडीए एग्जाम यूपीएससी द्वारा साल में दो बार आयोजित किया जाता है। इसमें 12वीं (फिजिक्स + मैथ्स) पास लड़के हिस्सा ले सकते हैं। सेलेक्शन के बाद कैंडिडेट्स एनडीए पुणे में ट्रेनिंग पाते हैं और फिर एयरफोर्स अकादमी में भेजे जाते हैं। यहां से पासआउट होकर वे फ्लाइंग ब्रांच या टेक्निकल/नॉन-टेक्निकल ब्रांच में ऑफिसर बनते हैं।

ग्रेजुएशन के बाद ऑफिसर की सीधी एंट्री

सीडीएस एग्जाम भी यूपीएससी द्वारा लिया जाता है और ग्रेजुएट कैंडिडेट्स इसके जरिए एयरफोर्स एकेडमी (ढ्ढ्न, हैदराबाद) में दाखिला पा सकते हैं। यह परीक्षा साल में दो बार होती है और सफल कैंडिडेट्स को फ्लाइंग ऑफिसर की ट्रेनिंग दी जाती है।

वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा

वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा भारतीय वायुसेना द्वारा आयोजित एक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट है, जिसके जरिए फ्लाइंग, ग्राउंड ड्यूटी (टेक्निकल और नॉन-टेक्निकल) ब्रांच में भर्ती होती है। यह पुरुष और महिला दोनों के लिए खुला होता है और इसमें ग्रेजुएट्स आवेदन कर सकते हैं। हर साल दो बार यह परीक्षा होती है और इसे सबसे सुगम तरीका माना जाता है।

12वीं या डिप्लोमा के बाद एयरमैन भर्ती

भारतीय वायुसेना हर साल ग्रुप एक्स और ग्रुप वाय ट्रेड्स में भर्ती आयोजित करती है। ग्रुप एक्स में टेक्निकल ट्रेड्स आते हैं जैसे- मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि। वहीं ग्रुप वाय में नॉन-टेक्निकल पोस्ट होती हैं, जैसे- क्लर्क, मेडिकल असिस्टेंट और अन्य सपोर्ट स्टाफ। अगर आपने 12वीं (साइंस स्ट्रीम) या तकनीकी डिप्लोमा किया है, तो आप भारतीय वायुसेना में एयरमैन पद के लिए आवेदन कर सकते हैं।

बिना लिखित परीक्षा के सीधा इंटरव्यू

यदि आपने एनसीस एयर विंग से सी सर्टिफिकेट प्राप्त किया है, तो आप एयरफोर्स में फ्लाइंग ब्रांच के लिए बिना कोई लिखित परीक्षा दिए आवेदन कर सकते हैं। इस एंट्री स्कीम के तहत एएफसीएटी या सीडीएस जैसी परीक्षाएं देने की आवश्यकता नहीं होती। इसमें केवल एसएसबी इंटरव्यू होता है और यह रास्ता ज्यादा कॉम्पिटीशन वाले लोगों के लिए बेहतरीन माना जाता है।

अग्निवीर वायू

सरकार की नई योजना 'अग्निपथ' के तहत एयरफोर्स में भी अग्निवीर वायू की भर्ती शुरू हुई है। इसमें 17.5 से 21 साल के युवा आवेदन कर सकते हैं और चार साल की सर्विस के बाद कुछ प्रतिशत को परमानेंट नियुक्ति मिलती है। यह स्कीम युवाओं को फौज में आने का नया अवसर देती है।

न्यूज अपडेट

गार्ड ने छत पर किया छात्रा का बलात्कार, 90 मिनट बाद लौटा; सीसीटीवी से खुला पूरा कांड

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में एक हॉस्टल की छत पर टहल रही एक छात्रा के साथ सिक्योरिटी गार्ड ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। छात्रा विरोध न कर सके इसके लिए आरोपी ने उसका गला वायर से दबाए रखा। छात्रा की हालत गंभीर है, उसका इलाज जारी है। इस घटना के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं, जिनमें आरोपी सिक्योरिटी गार्ड सहजता के साथ आता-जाता दिखाई दे रहा है। साथ ही लिफ्ट में लगे शीशे में अपना चेहरा देख स्टाइल मारता हुआ भी दिख रहा है। पीड़िता पिछले 1 साल से इसी हॉस्टल में रह रही है और अक्सर रात में छत पर टहलने जाती थी। शनिवार रात जब वह छत पर पहुंची तो आरोपी गार्ड धरम सिंह भी वहां आ गया। आरोपी ने पहले छत का दरवाजा बंद किया। फिर छात्रा पर हमला कर दिया। छात्रा विरोध न कर सके इसके लिए आरोपी ने उसके गले को तार से दबा दिया। इसी हालत में उसने छात्रा के साथ दुष्कर्म किया। तार से गला दबा होने की वजह से पीड़िता चिल्ला नहीं पाई। उसकी हालत गंभीर है और वह अभी अस्पताल में भर्ती है। इस घटना के बाद पुलिस ने हॉस्टल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो जो दिखा उससे पुलिस वाले भी हैरान रह गए। लिफ्ट के फुटेज में आरोपी आराम से लिफ्ट में आता है। अंदुर घुसते ही वह आईने में अपना चेहरा देखता है, स्टाइल मारता है। आरोपी 19 बार बाल ठीक करता है, मूंछे और चेहरा सेट करता है। इसके बाद वह लिफ्ट से निकलकर सीढ़ियों से छत पर जाता है, वारदात करता है और फिर हॉस्टल से बाहर निकल जाता है। पुलिस ने आरोपी धरम सिंह को हेबतपुर के पास से पकड़ा। गिरफ्तारी के दौरान वह भागने लगा तो पुलिस ने उसके पैर में गोली मार दी। अब आरोपी का अस्पताल से नया वीडियो सामने आया है। इसमें धरम सिंह हाथ जोड़कर पुलिस से माफी मांग रहा है। पुलिस ने खुलासा किया है कि धरम सिंह 4 दिन पहले ही इस हॉस्टल में सिक्योरिटी गार्ड रखा गया था। वह यूपी के हरदोई जिले का रहने वाला है और अहमदाबाद में कई सुरक्षा कंपनियों में काम कर चुका है पुलिस ने कहा कि बिना वेरिफिकेशन गार्ड रखने वाली एजेंसी पर भी कार्रवाई होगी।

छात्र आंदोलन को हिंसक बनाने की साजिश

- भाजपा/आरएसएस की सोची-समझी रणनीति
- छात्रों के वेश में घुसकर उपद्रव करने वालों की हो पहचान : विजय शंकर नायक

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने आज विधानसभा घेराव के दौरान हुई घटनाओं पर कड़ा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा, आरएसएस, बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े कुछ लोग छात्रों के वेश में आंदोलन में घुसे और बैरिकेडिंग तोड़ने तथा पथराव करने जैसी गतिविधियों के जरिए माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि पुलिस के साथ धक्का-मुक्की अथवा मारपीट की स्थिति पैदा कर पुलिस लाठीचार्ज की परिस्थिति उत्पन्न करने की कोशिश की गई, ताकि शांतिपूर्ण छात्र आंदोलन को हिंसक साबित किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ये गंभीर आरोप हैं और इनकी निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। यह जांच आवश्यक है। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो आंदोलन को हिंसक बनाने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पहचान कर उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए

विजय शंकर नायक ने कहा कि छात्र अपने भविष्य, रोजगार और पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रिया की मांग को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठा रहे हैं। ऐसे में कुछ राजनीतिक तत्वों द्वारा आंदोलन के बीच घुसकर हिंसा पैदा करना और फिर उसी हिंसा का आरोप छात्रों पर मढ़ना बेहद गंभीर मामला है।उन्होंने कहा– अगर छात्रों ने पथराव नहीं किया तो फिर पथराव किसने किया? बैरिकेडिंग किसने तोड़ी? पुलिस के साथ टकराव की स्थिति किसने पैदा की? इन सवालों का जवाब सीसीटीवी फुटेज, वीडियो रिकॉर्डिंग और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों से सामने आना चाहिए। उन्होंने मांग की कि आज के पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराकर घटनास्थल पर मौजूद प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका की जांच की जाए, ताकि शांतिपूर्ण छात्रों और वास्तविक उपद्रवियों के बीच स्पष्ट अंतर किया जा सके।

परसुडीह में 510 ग्राम गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

जमशेदपुर। पुलिस नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। परसुडीह थाना पुलिस ने गांजा की खरीद-बिक्री करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 510 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शशि कुमार भगत उर्फ दिलखुश के रूप में हुई है। यह जानकारी सिटी एसपी ललित कुमार मीणा ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि परसुडीह थाना क्षेत्र के खखरीपाड़ा से जादुगोड़ा जाने वाले मार्ग पर गांजा की खरीद-बिक्री की जा रही है। इसके बाद एक छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम ने मौके पर पहुंचकर एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा. तलाशी में उसके पास से 510 ग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने गांजा को जब्त करते हुए शशि कुमार भगत उर्फ दिलखुश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में आरोपी के गांजा की खरीद-बिक्री से जुड़े होने की जानकारी सामने आई है. पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी गांजा कहां से लाता था और किन लोगों तक इसकी सप्लाई करता था. इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांग्ते गिरफ्तार

झारखंड में छात्र आंदोलन के बीच सीआईडी का बड़ा एक्शन

रांची। जेपीएससी की परीक्षाओं में गड़बड़ी के मामले में सीआईडी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व अध्यक्ष एल. खियांग्ते को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद सीआईडी की टीम उन्हें अपने कार्यालय लेकर गई है। बताया जा रहा है कि पूछताछ की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें शाम में न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। बता दें कि, एल. खियांग्ते से सीआईडी पहले ही कई दौर की पूछताछ कर चुकी थी। 28 जुलाई से शुरू हुई पूछताछ के दौरान जांच एजेंसी ने उनसे कई सवाल किए थे. बता दें कि, जेपीएससी की 14वीं सिविल सेवा परीक्षा और अन्य परीक्षाओं के संचालन में बड़े पैमाने पर धांधली, ओएमआर शीट में छेड़छाड़ और अयोग्य अभ्यर्थियों को पास कराने के आरोपों की जांच सीआईडी कर रही है। इसी सिलसिले में सीआईडी ने आयोग की इन तीनों महिला व पुरुष सदस्यों (डॉ. अजिता भट्टाचार्य, डॉ. अनिमा हांसदा और डॉ. जमाल अहमद) को अलग-अलग तारीखों पर पूछताछ के लिए बुलाया था। इससे पहले, जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष और झारखंड के पूर्व मुख्य सचिव एल. खियांग्ते के कार्यालय व आवास पर सीआईडी की छापेमारी के बाद उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसे राज्यपाल ने स्वीकार कर लिया था। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की परीक्षाओं में अनियमितता की जांच कर रही सीआईडी को अब तक की छानबीन में कई अहम जानकारियां मिली है। जेपीएससी की परीक्षाओं को संचालित करने की जिम्मेदारी जिस मेसर्स टीएसआर डेटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड (टीडीपीएल) को दी गई थी उसमें रिश्वत और कमीशन का बड़ा खेल हुआ था

झारखंड में छात्रों के ख़िलाफ़ बल का इस्तेमाल ग़लत', राहुल गांधी की सोरेन सरकार को दो टूक

नयी दिल्ली। झारखंड की राजधानी रांची में छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुए लाठीचार्ज को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गलत बताया है. उन्होंने कहा, 'झारखंड में विरोध-प्रदर्शन कर रहे छात्रों के ख़िलाफ़ बल का इस्तेमाल ग़लत है. छात्रों को शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार है और बातचीत से ही समाधान निकल सकता है. झारखंड सरकार को इन छात्रों की बात सुननी चाहिए और हर समस्या का तुरंत समाधान करना चाहिए.' नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि झारखंड के छात्रों के लिए हमारा संदेश क्लियर है. शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हिंसा से अटैक करना, हम उसके खिलाफ हैं. दिलचस्प है कि झारखंड में कांग्रेस, जेएमएम, लेफ्ट और आरजेडी गठबंधन की सरकार है. दरअसल, राहुल गांधी दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले दिनों हुए प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज पर सवाल उठा रहे हैं और गृहमंत्री अमित शाह से जवाब मांग रहे हैं. इस बीच झारखंड में हुए लाठीचार्ज के बाद बीजेपी सवाल उठा रही थी कि कांग्रेस चुप क्यों है?

राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस से कुछ मिनट पहले झारखंड को लेकर पोस्ट किया. प्रतियोगिता परीक्षाओं में गड़बड़ी के विरोध में छात्र झारखंड में प्रदर्शन कर रहे हैं और आज राज्य विधानसभा तक पहुंचे. इस दौरान कई बैरिकेड्स छात्रों ने तोड़ दिए, पुलिस ने इस दौरान पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया, आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया।

फ्री फायर का खेल, किशोरी से दोस्ती और रेप; गेमिंग पार्टनर को टढ से किया गिरफ्तार

मैहर। ऑनलाइन मोबाइल गेम्स किस कदर कम उम्र के बच्चों और किशोरों को अपना शिकार बना रहे हैं, इसका एक बेहद चौंकाने वाला और सनसनीखेज मामला मध्य प्रदेश के मैहर जिले से सामने आया है। गुजरात की अहमदाबाद पुलिस ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से अमरपाटन में शनिवार को एक 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। उस पर आरोप है कि वह ऑनलाइन गेम 'फ्री फायर' के जरिये अहमदाबाद की एक 15 वर्षीय नाबालिग को अपने जाल में फंसाकर बहला-फुसलाकर मध्य प्रदेश भगा लाया। इसके बाद उसे रीवा में बंधक बनाकर उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। गिरफ्तारी के बाद गुजरात पुलिस कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर आरोपी को अपने साथ अहमदाबाद ले गई है। अहमदाबाद पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित किशोरी और अमरपाटन निवासी 20 वर्षीय आरोपी शिव शांत की पहचान करीब एक साल पहले ऑनलाइन गेम 'फ्री फायर' खेलने के दौरान हुई थी। गेम खेलने के दौरान दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई, जो धीरे-धीरे दोस्ती में बदल गई। इसके बाद दोनों ने एक-दूसरे के मोबाइल नंबर साझा किए और वॉट्सऐप पर वीडियो कॉलिंग व चैटिंग करने लगे। शातिर आरोपी शिव शांत लगातार नाबालिग किशोरी को अपने प्रेम जाल में फंसाने का प्रयास करता रहा। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी शिव शांत दिसंबर 2025 में गुजरात के अहमदाबाद पहुंचा। वहां उसने 15 वर्षीय किशोरी को शादी और बेहतर भविष्य का झांसा देकर बहलाया-फुसलाकर अपने साथ मध्य प्रदेश ले आया। आरोपी ने अपनी पहचान छुपाने और पुलिस से बचने के लिए किशोरी को मैहर के बजाय पड़ोसी जिले रीवा में एक किराये का कमरा लेकर रखा। आरोप है कि इस दौरान उसने नाबालिग की लाचारी का फायदा उठाते हुए उसके साथ कई बार जबरन दुष्कर्म किया। इधर, नाबालिग बेटी के अचानक घर से लापता होने के बाद बदहवास परिजनों ने अहमदाबाद के स्थानीय पुलिस थाने में अज्ञात के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कराया था। अहमदाबाद पुलिस ने जब साइबर सेल की मदद से किशोरी के मोबाइल की कॉल डिटेल्स और लोकेशन ट्रेस की तो उसकी लोकेशन मध्य प्रदेश के रीवा में मिली। गुजरात पुलिस की एक टीम ने तत्काल रीवा में दबिश देकर कुछ समय पहले किशोरी को तो सुरक्षित बरामद कर लिया था, लेकिन पुलिस की भनक लगते ही मुख्य आरोपी शिव शांत मौके से फरार होने में कामयाब हो गया था।

सऊदी अरब की सोफा फैक्ट्री में भीषण आग का तांडव; जिंदा जलकर मरे 16 बांग्लादेशी नागरिक

रियाद। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में एक दर्दनाक हादसे ने कई परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया। मूसा सनैया इलाके में रविवार को एक सोफा बनाने वाली फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि अंदर मौजूद 16 बांग्लादेशी नागरिकों की मौत हो गई। घटना की पुष्टि बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने की है। रियाद के मूसा सनैया इलाके में स्थित सोफा बनाने वाली फैक्ट्री में रविवार को अचानक आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने फैक्ट्री के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। आग की चपेट में आने से 16 बांग्लादेशी नागरिकों की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और दमकल की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। घटना की जानकारी मिलते ही रियाद स्थित बांग्लादेशी दूतावास के अधिकारियों की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची। दूतावास के अधिकारियों ने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर हादसे की जानकारी जुटाने और मृतकों की पहचान की प्रक्रिया शुरू की। इसके साथ ही पीड़ितों और उनके परिवारों से संबंधित जरूरी जानकारी भी जुटाई जा रही है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने बताया कि सरकार इस मामले में सऊदी अधिकारियों के लगातार संपर्क में है। मृतकों के शवों से जुड़ी कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को पूरा कराने के लिए दूतावास स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है। सरकार का कहना है कि मृतकों के परिवारों को इस मुश्किल समय में जरूरी सहायता उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

- **विदेश मंत्रालय ने जताया दुख**

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने हादसे में जान गंवाने वाले नागरिकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। मंत्रालय ने कहा कि वह पूरे मामले पर लगातार नजर रख रहा है और सऊदी अधिकारियों के साथ मिलकर मृतकों से संबंधित जरूरी प्रक्रियाओं को जल्द से जल्द पूरा करने की कोशिश की जा रही है। फिलहाल फैक्ट्री में आग लगने की सटीक वजह सामने नहीं आई है। हादसे की परिस्थितियों और आग के कारणों को लेकर जांच की जा रही है। विदेश में काम कर रहे 16 बांग्लादेशी नागरिकों की मौत की खबर से उनके परिवारों में मातम पसरा हुआ है। बांग्लादेशी दूतावास ने प्रभावित परिवारों को आवश्यक सहायता और प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध कराने की बात कही है।

नोएडा में बैंक मैनेजर के घर काम करने वाली महिला ने लगाई फांसी

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-51 में एक बैंक मैनेजर के घर काम करने वाली 18 साल की घरेलू सहायिका ने शनिवार को कथित रूप से फंदा लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद घरेलू सहायिकाएं और स्थानीय लोग सेक्टर-49 थाने पहुंचे और मकान मालिक पर कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा करने लगे। कुछ लोगों ने पथराव की भी कोशिश की। पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत कराया। पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह सामने आएगी। घटना की जांच जारी है। थाना सेक्टर-49 के प्रभारी निरीक्षक राम प्रकाश शर्मा ने बताया कि सेक्टर-51 के ई-ब्लॉक में रहने वाले एक बैंक मैनेजर के घर पर बिहार के कटिहार जिले के सिरकौल गांव की निवासी महिला और उनकी बेटी घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थीं। शनिवार रात को काम खत्म करने के बाद रूबी घर की चौथी मंजिल पर गई और पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। शाम करीब पांच बजे मकान मालिक उसे लड़की को उठाने पहुंचे तो वह पंखे से लटकी मिली। इसके बाद उन्होंने पुलिस और लड़की की बहन को सूचना दी। बहन मौके पर पहुंची तो उसने भी लड़की की लाश कमरे में लटकी देखी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारकर जांच शुरू की। पुलिस ने मौके से सुबूत भी जुटाए पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतका के शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं पाए गए हैं। रविवार को मृतका के परिजन और अन्य घरेलू सहायिकाएं पहले घटनास्थल पर पहुंचे और बाद में थाना सेक्टर-49 पहुंचकर हंगामा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि युवती की हत्या कर उसकी लाश को पंखे से लटका दिया गया है।

पहली बार लाल किले की प्राचीर से गाया जाएगा 'वंदे मातरम'

नयी दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस पर हर साल की तरह इस साल भी प्रधानमंत्री लाल किले की प्राचीर से तिरंगा फहराएंगे और देश के नाम अपना संबोधन देंगे लेकिन ऐसा पहली बार होगा जब उनके भाषण से पहले लाल किले की प्राचीर से वंदे मातरम गाया जाएगा। जी हां, 15 अगस्त को यानी 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से ऐसा होने जा रहा है। रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह के हिस्से के तौर पर पहली बार लाल किले की प्राचीर से राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' गाया जाएगा। रक्षा मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक, इस साल का समारोह 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने का प्रतीक होगा और स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान यह मशहूर देशभक्ति गीत मुख्य आकर्षण होगा। बता दें कि देश इस साल अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है।

- **पहली बार लाल किले से गूंजेगा 'वंदे मातरम'**

मंत्रालय की तरफ से कहा गया है कि इस साल के स्वतंत्रता दिवस समारोह की थीम 'युवा शक्ति - विकसित भारत की यात्रा का नेतृत्व' भी है, जिसमें देश के विकास में युवा भारतीयों की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, समारोह एक संशोधित क्रम का पालन करेगा, जिसकी शुरुआत लाल किले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से होगी। इसके बाद राष्ट्रगीत प्रस्तुत किया जाएगा, और फिर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा इसके बाद राष्ट्रगान 'जन गण मन' गाया जाएगा।

- **वंदे मातरम' को शामिल करने का ऐतिहासिक महत्व**

दरअसल, लाल किले के समारोह में 'वंदे मातरम' को शामिल करने का ऐतिहासिक महत्व है। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बन गया था और इसने ब्रिटिश शासन के खिलाफ आंदोलन के दौरान भारतीयों की कई पीढ़ियों को प्रेरित किया। यह गीत पहली बार 1882 में चट्टोपाध्याय के उपन्यास 'आनंदमठ' में प्रकाशित हुआ था। बाद में इसकी शुरुआती पंक्तियों को भारत के राष्ट्रगीत के रूप में अपनाया गया।

संक्षिप्त समाचार

मंत्री गौतम दक की दूरदर्शी सोच से संवर रहा ललित सागर, बड़ीसादड़ी को मिलेगी नई पहचान

चमकता राजस्थान/रामसिंह मीणा रघुनाथपुरा। बड़ीसादड़ी शहर की ऐतिहासिक धरोहर एवं प्राकृतिक सौंदर्य का केंद्र ललित सागर बाँध (झरना) अब विकास और सौंदर्यीकरण के नए दौर में प्रवेश कर चुका है। सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन मंत्री माननीय श्री गौतम जी दक के विशेष प्रयासों से यहां विकास कार्य तेजी से प्रगति पर हैं, जिससे बड़ीसादड़ी को पर्यटन, सौंदर्य और जनसुविधाओं के क्षेत्र में नई पहचान मिलने जा रही है। भारतीय जनता पार्टी नगर अध्यक्ष धनपाल मेहता ने बताया कि ललित सागर पर चल रहे विकास कार्य मंत्री श्री गौतम जी दक की विकासोन्मुखी सोच का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल एक निर्माण परियोजना नहीं, बल्कि बड़ीसादड़ी के गौरव, पर्यटन और भविष्य को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक कार्य है।

मेहता ने कहा कि जिस प्रकार प्रदेश सरकार और मंत्री श्री गौतम जी दक क्षेत्र के विकास के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं, उसी का परिणाम है कि बड़ीसादड़ी में एक के बाद एक जनहितकारी परियोजनाएं धरातल पर उतर रही हैं। ललित सागर का विकसित स्वरूप आने वाले समय में स्थानीय नागरिकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनने के साथ-साथ क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा देगा। यह परियोजना बड़ीसादड़ी के विकास में मील का पत्थर साबित होगी

इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी नगर अध्यक्ष धनपाल मेहता पूर्व नगर अध्यक्ष राकेश मेहता पार्षद सुनील पितलिया ललित चौधरी बद्रीलाल सेन पूर्व पार्षद अनिल मेहता सुरेश सुथार दीपक सराफ श्याम सुंदर सोनी चेतन जायसवाल सत्यनारायण सालवी कैलाश डांगी यशवंत मोची आदि पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे

हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा रैली का हुआ आयोजन, राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने तिरंगा रैली को दिखाई हरी झंडी

चमकता राजस्थान/सांवलाराम चौधरी अरणाय/जालौर । स्वतंत्रता दिवस की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सोमवार को 'हर घर तिरंगा' अभियान-2026 के तहत आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की श्रंखला में तिरंगा रैली का आयोजन हुआ।

राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने जालोर शहर स्थित पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से तिरंगा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, तत्पश्चात तिरंगा रैली कॉलेज सर्किल, राजेंद्र नगर, अस्पताल चौराहा से होते हुए गंतव्य स्थान नगर परिषद परिसर पहुंची। इस दौरान प्रतिभागी स्कूली छात्र-छात्राओं ने देश के प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रध्वज के सम्मान से जोड़ने तथा देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का सन्देश दिया।

इस अवसर पर मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा 'आजादी के अमृत महोत्सव' के तहत शुरू हुए 'हर घर तिरंगा अभियान' के माध्यम से राष्ट्र के प्रति देशभक्ति की भावना संचार हुआ है एवं राष्ट्रीय ध्वज के प्रति देश के नागरिकों में सम्मान की भावना जागृत हुई है।

इस अवसर पर जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे, अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजेंद्र सिंह चांदावत, नगर परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नंदकिशोर राजोरा, जिला शिक्षा अधिकारी(माध्यमिक) भंवरलाल परमार सहित शिक्षक गण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस कार्यालय में जनसुनवाई, जिला प्रमुख दुलाराम इंदलिया ने सुनी आमजन की समस्याएं

चमकता राजस्थान/श्रीगंगानगर(जिला संवाददाता संजय बिश्नोई)सोमवार। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय श्रीगंगानगर में सोमवार को नियमित जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला प्रमुख दुलाराम इंदलिया ने विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनसुनवाई में रावला, सूरतगढ़, रायसिंहनगर, ताखरावाली, 11 एनपी और गणेशगढ़ सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने सड़क, बिजली, पानी, मनरेगा, खाला निर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं और प्रशासनिक कार्यों से जुड़ी समस्याएं जिला प्रमुख के समक्ष रखीं। जिला प्रमुख इंदलिया ने प्रत्येक फरियादी की बात ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों से दूरभाष पर संपर्क किया और समस्याओं के शीघ्र एवं समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए।

इस अवसर पर दुलाराम इंदलिया ने कहा कि ''आमजन की समस्याओं का समाधान हमारी प्राथमिकता है। जनप्रतिनिधियों और प्रशासन का दायित्व है कि वे जनता की आवाज को संवेदनशीलता से सुनकर उसका प्रभावी निस्तारण करें। कांग्रेस पार्टी हमेशा आमजन के साथ खड़ी है।''

संगठन महासचिव राकेश शर्मा ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए एक सहज और प्रभावी मंच उपलब्ध कराना है। जिला कांग्रेस प्रवक्ता सोहन नायक ने बताया कि जनसुनवाई में ताखरावाली सरपंच भारतरत्न, करन सुमानी, राकेश गोदारा, सुभाष ढूंढाड़ा, राजपाल सिंह, बलवीर सिंह, लखवीर सिंह, हरप्रीत सिंह, कुलवीर कौर, कुलविंदर और जसविंदर सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और आमजन उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर जिला स्तरीय समीक्षा बैठक

एडीएम ने समारोह स्थल की व्यवस्थाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए समयबद्ध तैयारी के निर्देश

चमकता राजस्थान

धौलपुर ब्यूरो चीफः रामदास तरुण। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को जिला स्तरीय साप्ताहिक समीक्षा बैठक अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों सहित विभिन्न विभागों के कार्यों और जनसमस्याओं से जुड़े प्रकरणों की समीक्षा की गई। अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना ने स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह को परंपरागत, गरिमामय एवं व्यवस्थित तरीके से आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने समारोह स्थल पर बैठक व्यवस्था, पेयजल, टेंट, साउंड सिस्टम, निमंत्रण पत्र, सुरक्षा, बैरिकेडिंग और परेड सहित सभी व्यवस्थाओं की पूर्व समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को समय रहते तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। बजट घोषणाओं के कार्यों की भी समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों की बजट घोषणाओं के तहत स्वीकृत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों से पूर्ण हो चुके तथा प्रगतिरत कार्यों की स्थिति की जानकारी ली गई। एडीएम ने संबंधित विभागों को स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्वक पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों को जिले में विभागीय स्तर पर किए गए महत्वपूर्ण कार्यों एवं उपलब्धियों से संबंधित संक्षिप्त नोट तैयार कर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए, ताकि जिले की प्रमुख उपलब्धियों की जानकारी संकलित की जा सके। संपर्क पोर्टल के प्रकरणों का हो समयबद्ध निस्तारण बैठक के दौरान संपर्क पोर्टल पर प्राप्त प्रकरणों की भी समीक्षा की गई।अतिरिक्त जिला कलक्टर ने अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का नियमानुसार एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने तथा लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बिजली एवं पानी से संबंधित विभागों को आमजन की समस्याओं के प्रति विशेष संवेदनशीलता बरतने तथा शिकायतों का त्वरित समाधान करने पर विशेष ध्यान देने को कहा। बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद बबली राम जाट सहित विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

62 प्रतिभाओं का सम्मान

मुजवा में गूंजा 'जय जोहार', ब्लॉक स्तरीय विश्व आदिवासी दिवस बना ऐतिहासिक

शिक्षा-स्वाभिमान-संस्कृति का त्रिवेणी संगम, हजारों की मौजूदगी में हुआ भव्य आयोजन

चमकता राजस्थान

रामसिंह मीणा रघुनाथपुरा। बड़ीसादड़ी - मुजवां जनजाति समाज के गौरव, अस्मिता और संस्कृति के प्रतीक विश्व आदिवासी दिवसऋ का ब्लॉक स्तरीय समारोह रविवार को मुजवा में ऐतिहासिक उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही मैदान ऋजय जोहारऋ, ऋहर-हर महादेवऋ और ढोल-मांदल की गूंज से भर गया। हजारों की संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने इस आयोजन को जनजाति एकता और सामाजिक चेतना का महाकुंभ बना दिया

कार्यक्रम की अध्यक्षता सवाई लाल मीणा, प्रधानाचार्य बड़वल ने की मुख्य अतिथि श्री रामेश्वर दयाल, तहसीलदार बड़ीसादड़ी रहे। कार्यक्रम का संयोजन एवं कुशल संचालन श्री शम्भू सिंह मीणा ने किया मंच संचालन के दौरान उन्होंने बार-बार शिक्षा और एकता का संदेश दोहराया

- **हमारी पहचान है जंगल, जल और जमीन**

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और मां धरती को नमन के साथ हुई मुख्य वक्ता फलोदडा विद्यालय के प्रधानाचार्य लक्ष्मण लाल मीणा ने कहा कि ऋआदिवासी का मतलब है इस धरती का मूल निवासी। हमारे पूर्वजों ने बिरसा मुंडा, टंट्या भील, गोविंद गुरु के नेतृत्व में जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए कुर्बानी दी। आज हमें उनकी विरासत को शिक्षा और संगठन के माध्यम से आगे बढ़ाना है

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा डॉक्टर, इंजीनियर, कलेक्टर बनो। अपने गांव का नाम रोशन करो। शिक्षा ही एकमात्र हथियार है जिससे हम गरीबी और पिछड़ेपन को हरा सकते हैं।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत रानी में विशाल तिरंगा रैली

चमकता राजस्थान/भरत कुमार गांधी रानी। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में ऋहर घर तिरंगाऋ अभियान के तहत सोमवार को रानी में भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया।

रैली का नेतृत्व उपखंड अधिकारी शिवा जोशी* ने किया। उनके साथ भाजपा मंडल अध्यक्ष हरीश गहलोत और नगरपालिका अधिशासी अधिकारी मगराज चौधरी सहित जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, स्कूली बच्चे और आमजन हाथों में तिरंगा लेकर शामिल हुए। रैली उपखंड कार्यालय से रवाना होकर बलवीर हनुमान मंदिर पर समापन हुई। इस दौरान देशभक्ति के नारों से पूरा माहौल गूंज उठा। प्रतिभागियों ने घर-घर तिरंगा लगाने और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। उपखंड अधिकारी शिवा जोशी ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य देशभक्ति की भावना को बढ़ाना और आजादी के अमृत महोत्सव को जन-जन तक पहुंचाना है।

भाजपा मंडल अध्यक्ष हरीश गहलोत ने कहा कि तिरंगा हमारे स्वाभिमान का प्रतीक है। इसे हर घर पर गर्व से फहराया जाना चाहिए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्कूल के बच्चे ओर गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सब्जी की आड़ में नशे का बड़ा कारोबार, 16 हजार नशीली टैबलेट के साथ 55 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार

चमकता राजस्थान/गजसिंहपुर (जिला संवाददाता संजय बिश्नोई)। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गजसिंहपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सब्जी की आड़ में संचालित किए जा रहे कथित नशीली दवाओं के कारोबार का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने राजेंद्र अरोड़ा उर्फ गिग्गी (55) को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 16 हजार नशीली टैबलेट बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी सब्जी के कारोबार की आड़ लेकर नशीली गोलियों की बड़े पैमाने पर बिक्री कर रहा था। बरामद टैबलेट की मात्रा को देखते हुए पुलिस इस मामले को संगठित नेटवर्क से जोड़कर भी जांच कर रही है। यह कार्रवाई थाना प्रभारी श्रीमती शालू विश्नोई के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने की। पुलिस का मानना है कि आरोपी लंबे समय से नशीली दवाओं की सप्लाई और बिक्री से जुड़ा हो सकता है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि नशीली टैबलेट कहां से लाई जाती थीं तथा किन-किन क्षेत्रों में उनकी सप्लाई की जा रही थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में कार्रवाई की गई है। जांच के आधार पर इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है और संभावित ठिकानों पर भी कार्रवाई की जा सकती है। गजसिंहपुर क्षेत्र में नशे के खिलाफ की गई इस बड़ी कार्रवाई को पुलिस की महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। स्थानीय लोगों ने भी कार्रवाई का स्वागत करते हुए नशे के कारोबार पर सख्त अंकुश लगाने की मांग की है।

तिरंगे के साथ कार्यकर्ताओं ने दिया एकता, अखंडता और राष्ट्रभक्ति का संदेश

चमकता राजस्थान

अनिल सैन/फलोदी। भारतीय जनता पार्टी जिला फलोदी के तत्वावधान में आज भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेक र कार्यकर्ताओं ने पूरे जोश और देशभक्ति की भावना के साथ यात्रा में सहभागिता निभाई।

तिरंगा यात्रा के दौरान ''भारत माता की जय'' और ''वंदे मातरम्'' के नारों से पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति से गूंज उठा। यात्रा के माध्यम से आमजन को देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने तिरंगे के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

यात्रा में युवाओं एवं पार्टी कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। तिरंगा प्रत्येक भारतीय के मन में राष्ट्रभक्ति की भावना को और मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता देश की एकता एवं अखंडता के लिए सदैव समर्पित रहने का संकल्प लेते हैं।

ये रहे प्रमुख रूप से उपस्थितः भाजपा जोधपुर देहात उत्तर जिलाध्यक्ष श्रीमती ज्योति जानी, जिला महामंत्री सुख राम विश्नोई, जय प्रकाश बोहरा, तिरंगा यात्रा जिला संयोजक माधो सिंह देवड़ा, मेघराज कल्ला, शिव कुमार व्यास, चतुर्भुज सोनी, सौरव बोहरा, जगदीश पालीवाल, देव किसन सोनी, शिव प्रकाश पंचारिया, धनसुख टरु, बृजमोहन बोहरा, सुनील व्यास, तिलोक प्रजापत, सीमा चौहान, निशा आचार्य, विमला सुथार, वर्षा गुचिया, यशपाल कोठारी, अरुण जोशी, जुगलकिशोर गुचिया, हरीश छंगानी एवं हरीश माली सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

घायल महिला यात्री की तत्काल मदद करने वाली मुख्य टिकट निरीक्षक वृषाली सावंत का सम्मान

चमकता राजस्थान

प्रतिनिधि अरविंद कोठारी/ डोंबिवली : डोंबिवली रेलवे स्टेशन परिसर में घायल अवस्था में मिली महिला यात्री की समय पर मदद कर उसे सुरक्षित रूप से अस्पताल पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली मध्य रेलवे की मुख्य टिकट निरीक्षक वृषाली सावंत का युवा क्रांति पुलिस मित्र संगठन की ओर से सम्मान किया गया।

युवा क्रांति पुलिस मित्र संगठन की कार्यकारिणी अध्यक्ष मालती जोशी और उनके सहयोगियों ने वृषाली सावंत का सत्कार किया। हाल ही में डोंबिवली रेलवे स्टेशन परिसर में एक महिला यात्री घायल अवस्था में मिली थी। अपनी तबीयत ठीक नहीं होने के बावजूद वृषाली सावंत ने तत्परता दिखाते हुए महिला यात्री की तत्काल मदद की। उन्होंने स्वयं आगे बढ़कर घायल महिला को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और उसे आवश्यक चिकित्सा सहायता दिलाने के लिए प्रयास किए।

वृषाली सावंत की कर्तव्यनिष्ठा, तत्परता और मानवीय भावना की इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने सराहना की। समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए मानवता का परिचय देने वाले ऐसे अधिकारी-कर्मचारियों का सम्मान होना आवश्यक है, ऐसा मालती जोशी ने कहा।

सम्मान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए वृषाली सावंत ने डोंबिवलीकरों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, ''डोंबिवली में अच्छे कार्यों की सराहना करने वाले अच्छे लोग रहते हैं। उनके द्वारा दिए गए सम्मान से मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है।''

युवा क्रांति पुलिस मित्र संगठन की ओर से किए गए इस सम्मान समारोह की उपस्थित लोगों ने सराहना की।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929